सांध्य दैनिक
# नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

**सु-विचार**

*" यादें पीछे नहीं खींचती वे बस बताती है कि हम कहां से चलकर यहां तक आए हैं...!!*

*अज्ञात...*

वर्ष-01 अंक-219 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शुक्रवार 28 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

# जननायक वशिष्ठ नारायण मिश्रा की काया पंचतत्व में विलीन, हजारों नम आंखों ने दी अंतिम विदाई

## काफी लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे वरिष्ठ पार्षद वशिष्ठ, समाज, राजनीति, व्यापारिक और औद्योगिक जगत के सभी वर्ग के लोग अंतिम यात्रा में हुए शामिल



*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

भिलाई नगर निगम के पांच बार के निर्दलीय वरिष्ठ पार्षद, निस्वार्थ जनसेवा की मिसाल वशिष्ठ नारायण मिश्रा की काया आज पंचतत्व में विलीन हो गई। लंबे समय से बीमार चल रहे वशिष्ठ मिश्रा का 26 अगस्त को निधन हो गया था। उनके असामयिक देवलोक गमन की खबर से पूरे दुर्ग-भिलाई सहित प्रदेश में शोक की लहर दौड़ गई।







### सेक्टर-2 से रामनगर तक उमड़ा जनसैलाब

27 अगस्त की सुबह साढ़े दस बजे सेक्टर-2 स्थित उनके निवास के आंगन में अंतिम दर्शन के लिए उनका पार्थिव शरीर रखा गया। अंतिम दर्शन को समाज के हर वर्ग से हजारों लोग पहुंचे। कोई फूल लेकर आया था, तो किसी की आंखों में सिर्फ आंसू थे। निवास में मौजूद हर शख्स की आंख नम थी, आंसुओं का सैलाब उमड़ रहा था। यह भीड़ ही उनके जीवन भर की जनसेवा की कहानी बयां कर रही थी।

लगभग साढ़े ग्यारह बजे अंतिम यात्रा शुरू हुई। छोटे भाई स्वरूप नारायण मिश्रा हाथ में हांडी लेकर आगे-आगे चल रहे थे। कंधा देने वालों में विधायक देवेंद्र यादव, सर्व कल्याण समाज के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू, अशोक गुप्ता, शरद मिश्रा, अश्वनी सिंह सहित अनगिनत चाहने वाले शामिल थे। फूल मालाओं से सजे स्वर्ग रथ में उनका पार्थिव शरीर रखा गया। यात्रा सेक्टर-2 से सुपेला क्रॉसिंग होते हुए रामनगर मुक्तिधाम पहुंची। पीछे सैकड़ों गाड़ियों में हजारों लोगों का काफिला चल रहा था।

### मुक्तिधाम में भावुक श्रद्धांजलि

रामनगर मुक्तिधाम में पहले से ही हजारों लोग अंतिम विदाई के लिए जुटे थे। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, सांसद विजय बघेल, विधायक देवेंद्र यादव, रिकेश सेन, पप्पू चंद्राकर, आसिफ मेमन, पंकज शर्मा, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज सहित कई गणमान्य लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित की। सामाजिक रीति-रिवाज और मंत्रोच्चार के बीच छोटे भाई स्वरूप नारायण मिश्रा ने मुखाग्नि दी और देखते ही देखते जनसेवक वशिष्ठ की काया पंचतत्व में विलीन हो गई।

इसके बाद आयोजित शोकसभा का संचालन पार्षद पीयूष मिश्रा ने किया। शोकसभा को सांसद विजय बघेल, वरिष्ठ नागरिक प्रभुनाथ मिश्रा, के.के. झा, विधायक देवेंद्र यादव, रिकेश सेन और पूर्व विधायक अरुण वोरा, मनीष पांडेय ने संबोधित करते हुए उनके जीवन दर्शन पर भावुक शब्दों में प्रकाश डाला। अंत में उपस्थित हजारों लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। दिव्या मक्कड़ भसीन ने अपने परिवार के साथ घर पहुंचकर अपनी संवेदना व्यक्त की

रायपुर, राजनांदगांव, दुर्ग-भिलाई सहित प्रदेश भर से आए हजारों लोगों ने नम आंखों से अपने जनसेवक को अंतिम विदाई दी।

# सयंम ने दिविषा को दिया राखी का अटूट उपहार



*साहित्यकार-कैलाश जैन बरमेचा*






**रक्षाबंधन का पर्व केवल एक धागा बांधने की परंपरा नहीं है, यह विश्वास, संस्कार और जीवनभर साथ निभाने के संकल्प का उत्सव है। हर वर्ष करोड़ों बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और भाई अपनी बहनों को उपहार देते हैं। किसी को आभूषण मिलता है, किसी को मोबाइल, किसी को पैसे और किसी को महंगे वस्त्र। परंतु समय बीतने के साथ हर वस्तु पुरानी हो जाती है। केवल वही उपहार अमर रहता है जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को बदल दे, उसके जीवन की दिशा तय कर दे और उसे अपने पैरों पर खड़ा होने का साहस दे। यह कहानी ऐसे ही एक भाई सयंम और उसकी छोटी बहन दिविषा की है, जिसने रक्षाबंधन के उपहार का अर्थ ही बदल दिया।**

सयंम महानगर में रहने वाला एक संवेदनशील, शिक्षित और दूरदर्शी युवक था। उसके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी निमार्ता उसकी मां ममता थीं। ममता ने संघर्षो से भरा जीवन जिया था। उन्होंने अभावों में भी कभी अपने आत्मसम्मान को टूटने नहीं दिया। वे अपने बेटे से अक्सर कहा करती थीं— 'बेटा, धन कमाना बड़ी बात नहीं है, धन से बड़ा है चरित्र, शिक्षा और आत्मविश्वास। यदि तुम किसी को जीवन जीने की कला दे दो, तो उससे बड़ा कोई उपहार नहीं होता।' मां के ये शब्द सयंम के मन में इतने गहरे उतर गए कि वे उसके जीवन का सिद्धांत बन गए।

दूसरी ओर थी उसकी छोटी बहन दिविषा। वह दादा-दादी की लाड़ली, पिता की आंखों का तारा और पूरे परिवार की सबसे चंचल बच्ची थी। बचपन से ही उसे खिलौनों का इतना शौक था कि घर में शायद ही कोई ऐसा खिलौना बचा हो जिससे उसने खेला न हो। दादा-दादी का दुलार और पिता का स्नेह उसे थोड़ा जिद्दी भी बना रहा था, लेकिन उसका हृदय बेहद निर्मल था। सयंम और दिविषा की उम्र में बहुत अधिक अंतर नहीं था, इसलिए दोनों भाई-बहन कम और मित्र अधिक थे। जब भी सयंम अपनी मां के साथ ननिहाल आता, दिविषा पूरे समय उसी के साथ रहती। दोनों साथ खेलते, साथ घूमते, साथ हंसते और हर त्योहार एक साथ मनाते।

रक्षाबंधन उनके रिश्ते का सबसे प्रिय पर्व था। जब दिविषा केवल एक वर्ष की थी, तब उसने अपने नन्हे हाथों से पहली बार सयंम की कलाई पर राखी बांधी थी। उस दिन पूरे परिवार ने मुस्कुराकर कहा था— 'देखो, यह रिश्ता अब जीवनभर का हो गया।' समय के साथ दिविषा बड़ी होने लगी। उसे पैसों का महत्व समझ आने लगा और बचपन की मासूम सोच में उसे लगने लगा कि दुनिया की हर खुशी पैसे से खरीदी जा सकती है। अब हर रक्षाबंधन पर वह एक हाथ से राखी बांधती और दूसरे हाथ से मुस्कुराते हुए कहती— 'भैया, अब मेरा गिफ्ट?'

सयंम हर बार उसे कुछ पैसे देता जरूर था, लेकिन उसके मन में एक अलग ही विचार जन्म ले चुका था। वह सोचता— 'यदि मैं इसे केवल पैसे दूंगा, तो यह कुछ दिनों में खर्च हो जाएंगे। मुझे इसे ऐसा उपहार देना है जो जीवनभर इसका साथ दे।' उसी दिन से उसने तय कर लिया कि उसकी बहन को मिलने वाला हर उपहार उसके व्यक्तित्व को मजबूत करेगा।

अगले रक्षाबंधन पर उसने दिविषा को कोई महंगा खिलौना नहीं दिया, बल्कि एक सुंदर कहानी की किताब दी। दिविषा ने मुंह बनाते हुए कहा— 'भैया, यह भी कोई गिफ्ट है?' सयंम मुस्कुराया और बोला— 'इसे पढ़ लेना, फिर बताना।' कुछ दिनों बाद वही दिविषा उस कहानी की नायिका की तरह बनने के सपने देखने लगी। अगले वर्ष उसे एक ग्लोब मिला, फिर कंप्यूटर, फिर इतिहास की पुस्तकें, फिर विज्ञान के प्रयोगों की किट। कभी सयंम उसे किसी किले में ले जाता, कभी संग्रहालय, कभी जंगल, कभी नदी किनारे। वह घूमने नहीं, सीखने जाती थी। उसे पता भी नहीं चला कि उसका सामान्य ज्ञान, उसकी सोच और उसका आत्मविश्वास धीरे-धीरे कितना विशाल होता जा रहा है।

सयंम हमेशा कहता— 'दुनिया देखने से पहले दुनिया को समझो।' यही कारण था कि खेल-खेल में दिविषा के भीतर ज्ञान का बीज अंकुरित होने लगा। उसे देश के महान व्यक्तित्वों की कहानियां याद रहने लगीं, संविधान के अधिकार समझ आने लगे, इतिहास के नायक उसके आदर्श बनने लगे और विज्ञान उसके लिए डर का विषय नहीं, जिज्ञासा का संसार बन गया।

लेकिन सयंम केवल ज्ञान तक सीमित नहीं था। वह जानता था कि आज की दुनिया में बेटियों को निर्भीक होना भी उतना ही आवश्यक है। दादा ने दिविषा को बचपन से लाठी चलाना सिखाया। उन्होंने कहा— 'आत्मरक्षा किसी पर हमला करने के लिए नहीं, बल्कि अपने सम्मान की रक्षा के लिए होती है।' सयंम ने इस सीख को और गहरा किया। वह अक्सर बहन से कहता— 'तुम्हें हमेशा कोई बचाने आए, यह जरूरी नहीं। खुद को इतना मजबूत बनाओ कि कठिन परिस्थिति तुम्हें डरा न सके।'

समय बीतता गया। दिविषा अब दसवीं कक्षा में पहुंच चुकी थी। एक दिन वह रोती हुई घर लौटी। स्कूल के कुछ लड़के उसे परेशान कर रहे थे। वह सीधे सयंम के पास पहुंची और बोली— 'भैया, अब मैं स्कूल नहीं जाऊंगी।' उस क्षण यदि सयंम चाहता तो गुस्से में स्कूल पहुंच जाता, लेकिन उसने बहन का भविष्य देखा, केवल वर्तमान नहीं। उसने उसे अपने पास बैठाया, आंसू पोंछे और शांत स्वर में कहा— 'डरकर पीछे हटना समाधान नहीं है। गलत का विरोध करना सीखो, अपनी बात कहना सीखो, अपने शिक्षकों और परिवार का सहारा लेना सीखो। और याद रखना, जब भी तुम्हें मेरी जरूरत होगी, मैं तुम्हारे पीछे खड़ा मिलूंगा। लेकिन सबसे पहले तुम्हें अपने भीतर की शक्ति पहचाननी होगी।' यह वाक्य दिविषा के जीवन का मोड़ बन गया। धीरे-धीरे उसके भीतर का भय समाप्त होने लगा। उसने आत्मविश्वास के साथ पढ़ाई की, खेलों में भाग लिया, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में बोली और हर चुनौती का सामना करना सीख लिया। अब वह वही जिद्दी बच्ची नहीं रही थी; वह एक मजबूत व्यक्तित्व बन रही थी।

रक्षाबंधन आता रहा और सयंम के उपहार भी बदलते रहे। कभी कोई प्रेरक पुस्तक, कभी कंप्यूटर कोर्स की फीस, कभी किसी प्रतियोगी परीक्षा की सामग्री, कभी किसी ऐतिहासिक यात्रा का अनुभव। लोगों को लगता था कि सयंम अपनी बहन को बहुत साधारण उपहार देता है, लेकिन किसी को यह दिखाई नहीं देता था कि वह दरअसल उसकी जिंदगी गढ़ रहा है। वह उसे वस्तुएं नहीं, दृष्टि दे रहा था; धन नहीं, आत्मविश्वास दे रहा था; सुरक्षा नहीं, स्वावलंबन दे रहा था। वर्षों की मेहनत रंग लाई। दिविषा ने कठिन परिश्रम से प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण की। प्रशिक्षण पूरा हुआ और एक दिन वह पुलिस सेवा की वर्दी पहनकर अपने ही शहर लौटी। पूरे परिवार के लिए वह दिन किसी पर्व से कम नहीं था। दादा की आंखों में गर्व था, पिता का सिर ऊंचा था, मां की आंखों में संतोष था, लेकिन दिविषा की नजर केवल अपने भैया सयंम को खोज रही थी।

वह उसके सामने पहुंची, कुछ क्षण चुप रही और फिर बोली— 'भैया, आज समझ में आया कि आपने मुझे कभी पैसे नहीं दिए, आपने मुझे जीवन दिया है।' सयंम मुस्कुराया। दिविषा की आंखें भर आईं। उसने कहा— 'यदि उस समय आप मुझे केवल नोटों की गड्डियां देते, तो वे कब के खर्च हो जातीं। यदि महंगे खिलौने देते, तो वे टूट जाते। यदि आभूषण देते, तो वे पुराने पड़ जाते। लेकिन आपने जो शिक्षा दी, जो निर्भीकता दी, जो आत्मविश्वास दिया और अपने पैरों पर खड़े होने का साहस दिया, वह आज मेरी वर्दी में दिखाई दे रहा है। यही मेरा सबसे बड़ा रक्षाबंधन का उपहार है— एक ऐसा उपहार जो कभी टूट नहीं सकता।'

सयंम ने बहन के सिर पर हाथ रखा। उसे लगा जैसे मां ममता की शिक्षा आज साकार होकर उसके सामने खड़ी है। तभी दिविषा ने भाई का हाथ थामते हुए कहा— 'भैया, आपने अपना फर्ज निभाया है, अब मेरी बारी है। आपने बचपन में कहा था कि जब भी मुझे तुम्हारी जरूरत होगी, मैं तुम्हारे साथ खड़ा मिलूंगा। आज मैं वही वचन आपको लौटाती हूं। अब आप भी कभी अपने आपको अकेला मत समझना। आज की नारी केवल सुरक्षा मांगने वाली नहीं, सुरक्षा देने वाली भी है। मैं आपके साथ हर परिस्थिति में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहूंगी।' उस क्षण राखी का अर्थ बदल चुका था। वह केवल भाई द्वारा बहन की रक्षा का वचन नहीं रहा, बल्कि दो सशक्त व्यक्तित्वों के बीच पारस्परिक विश्वास और सम्मान का अटूट बंधन बन चुका था। सयंम ने बहन को कमजोर समझकर संरक्षण नहीं दिया, बल्कि उसे इतना सक्षम बनाया कि वह स्वयं अपने जीवन की रक्षक बन सके। यही इस कहानी का सबसे बड़ा संदेश है।

आज आवश्यकता इस बात की नहीं कि भाई अपनी बहनों को केवल महंगे उपहार दें। आवश्यकता इस बात की है कि वे उन्हें शिक्षा, संस्कार, आत्मविश्वास, आर्थिक समझ, आत्मरक्षा, निर्णय लेने की क्षमता और स्वावलंबन का उपहार दें। क्योंकि धन समाप्त हो सकता है, वस्तुएं टूट सकती हैं, फैशन बदल सकता है, लेकिन ज्ञान, चरित्र और साहस कभी पुराने नहीं होते। यदि हर भाई अपनी बहन को ऐसा अटूट उपहार दे सके, तो रक्षाबंधन केवल एक त्योहार नहीं रहेगा, बल्कि नारी सशक्तिकरण का सबसे सुंदर अभियान बन जाएगा। यही सयंम का संदेश है, यही दिविषा की सफलता है और यही हर भाई-बहन के रिश्ते की सबसे अनमोल पहचान है— राखी का सबसे बड़ा उपहार वह है जो बहन को जीवनभर मजबूत बनाकर उसके साथ चलता रहे।

# महादेव सट्टा : 1.45 लाख करोड़ का कारोबार 40,603 करोड़ GST का मिला नोटिस

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

महादेव सट्टा एप मामले में ईडी, सीबीआई और एसीबी के बाद अब सेंट्रल जीएसटी ने शिकंजा कसा है। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस ने 1.45 लाख करोड़ रुपए के कारोबार का आंकलन करते हुए 40,603 करोड़ रुपए जीएसटी की मांग की है।

DGGI की रायपुर जोनल यूनिट ने 26 अगस्त को सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल समेत दर्जनों लोगों को नोटिस जारी किया है। जांच अधिकारियों सुजित मल्लिक और शिवि सांगवान की जांच में सामने आया कि 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2024 तक महादेव बुक के 2000 से अधिक पैनलों में हर दिन 99 करोड़ रुपए से ज्यादा जमा हो रहे थे। हर पैनल में रोज 5 से 10 लाख का लेन-देन होता था।




### कैसे चलता था नेटवर्क

जांच में खुलासा हुआ कि महादेव बुक एक वेबसाइट नहीं, बल्कि बड़ा नेटवर्क था। Gold365, Laser247, http://Play247.win, Betbook247, Silverexch, Cricketbet9, Skyexchange समेत कई प्लेटफॉर्म इसी से जुड़े थे।

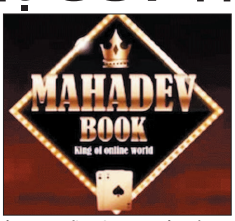

यह 30-70 के मुनाफे पर चलने वाला त्रिस्तरीय सिंडिकेट था। पहला स्तर- दुबई में बैठे सौरभ और रवि जो सर्वर और सॉफ्टवेयर नियंत्रित करते थे। दूसरा स्तर- पैनल ऑपरेटर जो फ्रेंचाइजी लेकर भारत, थाईलैंड, मलेशिया से संचालित करते थे। तीसरा स्तर- लोकल एजेंट जो व्हाट्सएप-टेलीग्राम से ग्राहक जोड़ते और आईडी-पासवर्ड देकर सट्टा खिलाते थे। लेन-देन के लिए हजारों म्यूल खाते और शेल कंपनियां बनाई गई थीं, पैसा हवाला और क्रिप्टो से दुबई भेजा जाता था। कमाई का 70-80% हिस्सा सीधे सौरभ और उप्पल तक पहुंचता था।

### अब तक की कार्रवाई

महादेव एप पर पहली FIR 30 मार्च 2022 को दुर्ग में दर्ज हुई थी। अक्टूबर 2022 में एऊने मनी लॉन्ड्रिंग केस दर्ज किया। 4 मार्च 2024 को ACB- EOW ने केस लिया, जिसे बाद में CBI को सौंपा गया। विशेषज्ञों के मुताबिक GST चुकाने से यह अवैध कारोबार वैध नहीं होगा। टैक्स नहीं चुकाने पर गिरफ्तारी और संपत्ति सीज की कार्रवाई हो सकती है।

**राजनीतिक विशलेषण**

# मोदी कैबिनेट में फेरबदल और JPNIC पर सियासी घमासान : 2027 का सेमीफाइनल



*आलोक तिवारी / नईदिल्ली*

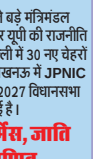

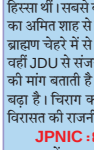

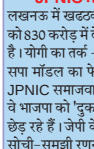







**केंद्र में मोदी सरकार 3.0 के पहले बड़े मंत्रिमंडल विस्तार की आहट के साथ ही देश और यूपी की राजनीति एक साथ गरमा गई है। एक तरफ दिल्ली में 30 नए चेहरों की एंट्री की चर्चा है, तो दूसरी तरफ लखनऊ में JPNIC को लेकर योगी-अखिलेश की जंग 2027 विधानसभा चुनाव का ट्रेलर बन गई है।**

### मोदी कैबिनेट: परफॉर्मेंस, जाति और 2027 का गणित

प्रधानमंत्री का यह विस्तार सिर्फ खाली पद भरने की कवायद नहीं, बल्कि 'फटीग फैक्टर' हटाने का ऑपरेशन है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद 15 पद खाली हैं, लेकिन सूत्रों के मुताबिक 25-30 नए चेहरे लाकर पूरी कैबिनेट को री-एनर्जाइज किया जाएगा। हाल में सचिवों के साथ पीएम की बैठकें इसी परफॉर्मेंस ऑडिट का हिस्सा थीं। सबसे बड़ा पेंच यूपी का है। केशव मौर्य और बृजेश पाठक दोनों का अमित शाह से मिलना संकेत है कि भाजपा 2027 से पहले OBC और ब्राह्मण चेहरे में से एक को दिल्ली लाकर लखनऊ में समीकरण बदलेगी। वहीं JDU से संजय झा और LJP से चिराग पासवान की अतिरिक्त विभाग की मांग बताती है कि बिहार चुनाव के बाद NDA सहयोगियों का दबाव बढ़ा है। चिराग का पिता के पुराने मंत्रालय पर दावा सिर्फ विभाग नहीं, विरासत की राजनीति है।

### JPNIC : 830 करोड़ की लीज पर विचारधारा की लड़ाई

लखनऊ में खढठकउ को 30 साल के लिए निजी कंपनी 'वृंदावन बॉटलर्स' को 830 करोड़ में देना भाजपा के लिए 'भ्रष्टाचार बनाम विनिवेश' का नैरेटिव है। योगी का तर्क - 200 करोड़ का प्रोजेक्ट 800 करोड़ में भी अधूरा, यह सपा मॉडल का फेल्योर है। अखिलेश के लिए यह भावनात्मक मुद्दा है। JPNIC समाजवादियों का प्रतीक है और इसे 'बेचने' का आरोप लगाकर वे भाजपा को 'दुकानदार' बताकर सरकारी संपत्ति के निजीकरण पर बहस छेड़ रहे हैं। जेपी के नाम पर भाजपा की राजनीति को घेरना अखिलेश की सोची-समझी रणनीति है।

दिल्ली का विस्तार 2029 के लिए टीम सेट करने और बिहार-यूपी साधने की कवायद है, जबकि JPNIC विवाद यूपी में 2027 की वैचारिक जमीन तैयार कर रहा है।

# दुर्ग महापौर की खड़ी गाड़ी इनोवा में लगी आग

**दुर्ग।** नगर निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार के इनोवा वाहन में आग लग गई। घटना के दौरान वाहन महापौर कक्ष के सामने परिसर में खड़ी थी और महापौर अपने चेंबर में बैठी थी। घटना सुबह करीब 11 बजे के आसपास हुई। आग लगने का कारण गाड़ी में शार्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। इनोवा वाहन के बोनेट से अचानक आग की लपटे उठता देख कर्मचारियों सहित निगम कार्यालय परिसर में काम काज के सिलसिले में आए लोगों की भीड़ लग गई। इस दौरान उक्त वाहन के आसपास खड़े अन्य वाहनों को हटवाया गया और फायर ब्रिगेड को घटना की सूचना दी गई। करीब 12 बजे के आसपास फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग को बुझाना शुरू किया। ज्ञात हो कि जिस गाड़ी में आग लगी है उस गाड़ी को नगर निगम द्वारा किराए पर लिया गया है।

# रक्तदान शिविर में आत्मिक शक्ति से रक्तदान तक रक्तवीरों ने जगाई मानवता की उम्मीद

## जिला चिकित्सालय दुर्ग में ब्रह्माकुमारीज के रक्तदान महाअभियान में 202 यूनिट रक्तदान, रक्तदान के साथ आध्यात्मिकता का अनूठा संगम देखने को मिला

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

किसी के जीवन में रक्त की एक बूंद आशा बनकर उतर सकती है और किसी परिवार की बुझती उम्मीद को फिर से रोशन कर सकती है। इसी मानवीय संवेदना को आत्मिक शक्ति, सकारात्मक चिंतन और राजयोग मेडिटेशन से जोड़ते हुए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के समाजसेवा प्रभाग द्वारा जिला चिकित्सालय दुर्ग में रक्तदान महाअभियान आयोजित किया गया। संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की 19वीं पुण्य स्मृति एवं विश्व बंधुत्व दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस शिविर में रक्तवीरों ने उत्साहपूर्वक 202 यूनिट रक्तदान किया।

अभियान का संदेश मानवता का करें कल्याण, आओ मिलकर करें रक्तदान रहा। शिविर में रक्तदान के साथ आध्यात्मिकता का अनूठा संगम देखने को मिला। रक्तदान के लिए पहुंचे लोगों को पहले



सकारात्मक एवं शक्तिशाली चिंतन कराया गया। रक्तदाताओं ने संकल्प लिया कि मैं शक्तिशाली आत्मा हूं, मेरे द्वारा किया गया यह रक्तदान किसी जरूरतमंद को नया जीवन देगा। इसके बाद लगभग तीन मिनट परमात्मा का स्मरण एवं राजयोग मेडिटेशन कराया गया, जिससे रक्तदाता स्वयं को आत्मिक शक्ति और सकारात्मक ऊर्जा से भरकर रक्तदान के लिए आगे आए। इस आध्यात्मिक प्रक्रिया को रक्तदाताओं ने विशेष अनुभव बताया। अनेक रक्तदाताओं ने कहा कि उन्होंने पहले भी रक्तदान किया है, लेकिन रक्तदान से पूर्व परमात्मा का स्मरण, राजयोग मेडिटेशन और सकारात्मक चिंतन से जो शांति, आत्मिक शक्ति एवं आंतरिक खुशी महसूस हुई, वह उनके लिए बिल्कुल नया और अविस्मरणीय अनुभव रहा।

### रक्त का कोई विकल्प नहीं, रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा : विजय अग्रवाल

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसएसपी दुर्ग विजय अग्रवाल ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है। रक्तदान मानवता की सेवा का सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होंने आध्यात्मिक सशक्तिकरण के साथ ब्रह्माकुमारीज द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान की सराहना करते हुए संस्था एवं सभी रक्तदाताओं को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ एसएसपी दुर्ग विजय अग्रवाल, ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी रूपाली दीदी, प्रमोद वाघ (रेडक्रॉस ब्लड बैंक उपसमिति प्रभारी), एसआर चुरेन्द्र (नोडल अधिकारी, ब्लड बैंक दुर्ग), टीएस एंथोनी (परामर्शदाता, ब्लड बैंक दुर्ग) एवं स्नेहा मित्तल (ज्वाइंट सेक्रेटरी, इनरव्हील क्लब) सहित उपस्थित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर अतिथियों ने दादी प्रकाशमणि जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके सेवाभाव का सम्मान किया गया। शिविर में रक्तदाताओं के लिए विशेष सेल्फी जोन भी बनाया गया था, जहां रक्तवीरों ने अपनी प्रेरणादायी सेवा की यादों को तस्वीरों में संजोया।

शिविर की विशेषता यह भी रही कि रक्तदान के बाद प्रत्येक रक्तदाता को सेवाकेंद्र की ओर से परमात्मा का पत्र, ब्लेसिंग कार्ड, ईश्वरीय सौगात एवं प्रसाद स्वरूप फलाहार भेंट किया गया। इससे रक्तदाताओं में सेवा के प्रति उत्साह और आध्यात्मिक भाव और अधिक मजबूत हुआ।

आयोजन में डॉ. आशीष कुमार मिंज (सिविल सर्जन) एवं डॉ. मनोज दानी (सीएमएचओ दुर्ग) का विशेष सहयोग रहा। चिकित्सा दल एवं सहयोगी सदस्यों ने भी रक्तदान महाअभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी ने कहा कि रक्तदान केवल रक्त देने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी अनजान व्यक्ति के जीवन में आशा का दीप जलाने का माध्यम है। उन्होंने इस मानवतापूर्ण सेवा में सहभागी बने सभी अतिथियों, रक्तवीरों, चिकित्सा दल एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी रूपाली दीदी ने किया। 202 यूनिट रक्तदान के साथ यह आयोजन केवल एक रक्तदान शिविर न रहकर आत्मिक शक्ति, सकारात्मक चिंतन और मानवता के प्रति संवेदना का प्रेरणादायी संगम बन गया। शिविर ने यह संदेश दिया कि जब सेवा के साथ भावना और आत्मिक शक्ति जुड़ जाती है, तो छोटी-सी पहल भी किसी के जीवन में नई सुबह ला सकती है।

**खास खबर**

# मौर्या टॉकीज अंडरब्रिज का नाम स्व. वशिष्ठ नारायण मिश्रा के नाम पर हो : विधायक देवेन्द्र यादव

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

**विधायक ने महापौर नीरज पाल को लिखा पत्र, कहा- जनसेवा के योगदान को मिले सम्मान**

लगातार पांच बार पार्षद रहकर भिलाई की जनता की आवाज को सदन से लेकर शासन तक पहुंचाने वाले स्व. वशिष्ठ नारायण मिश्रा की स्मृति को स्थायी रूप से संजोने की पहल शुरू हो गई है। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने महापौर नीरज पाल को पत्र लिखकर मौर्या टॉकीज से टाउनशिप को जोड़ने वाले अंडरब्रिज का नाम स्व. वशिष्ठ नारायण मिश्रा के नाम पर करने की मांग की है। आयुक्त को प्रतिलिपि भेज कर जल्द पहले करने कहा है।

विधायक देवेंद्र यादव ने पत्र में कहा है कि वार्ड क्रमांक 54 (सेक्टर-1 दक्षिण) के पार्षद रहे स्व. मिश्रा का 26 अगस्त को आकस्मिक निधन हो गया। उन्होंने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में लगातार पांच बार पार्षद के रूप में क्षेत्र की जनता का प्रतिनिधित्व किया। भिलाई के सर्वांगीण विकास से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के साथ ही उन्होंने आम जनता की समस्याओं को स्थानीय और राज्य शासन के समक्ष लगातार पहुंचाया। देवेंद्र यादव ने कहा कि स्व. वशिष्ठ नारायण मिश्रा हमेशा आमजनों के बीच रहकर उनकी सेवा करते रहे। अपने कार्यों और जन सरोकारों के चलते उन्होंने समाज और भिलाई में अपनी अलग पहचान बनाई। ऐसे जनप्रतिनिधि की स्मृति को सम्मान देना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

## मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत तीर्थ यात्रा के लिए कल से आवेदन आमंत्रित

**दुर्ग।** मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत 29 सितम्बर से 03 अक्टूबर 2026 तक प्रयाग, काशी विश्वनाथ, हनुमान मंदिर की यात्रा हेतु दुर्ग जिले के 445 वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष या 60 वर्ष के ऊपर) को उक्त यात्रा पर भेजा जाएगा।

उप संचालक समाज कल्याण दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार तीर्थ दर्शन के लिए 333 ग्रामीण क्षेत्र व 112 शहरी क्षेत्र के यात्री को सम्मिलित करते हुए कुल 445 का कोटा निर्धारित की गई है। जिसमें 80 प्रतिशत हितग्राही बीपीएल अंत्योदय एवं मुख्यमंत्री खाद्यान्न योजना के कार्डधारी एवं 20 प्रतिशत हितग्राही गरीबी रेखा के ऊपर (एपीएल) के नागरिक होंगे, जो आयकर दाता न हो। इस हेतु आवेदक, संबंधित जनपद पंचायत एवं नगरीय निकायों से आवेदन प्राप्त कर 10 सितंबर 2026 तक स्वास्थ्य परीक्षण उपरान्त निर्धारित प्रपत्र में आवेदन जमा कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के उपरान्त आवेदन प्रस्तुत करने पर स्वीकार्य नहीं किया जाएगा।

## जिले में अब तक 635.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज

**दुर्ग।** जिले में 1 जून 2026 से 26 अगस्त 2026 तक 635.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 804.4 मिमी तहसील पाटन में तथा न्यूनतम 464.8 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 730.4 मिमी, तहसील बोरी में 609.0 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 689.0 मिमी और तहसील अहिवारा में 515.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 26 अगस्त 2026 को तहसील दुर्ग में 0.0 मिमी, तहसील धमधा में 0.0 मिमी, तहसील पाटन में 0.4 मिमी, तहसील बोरी में 0.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 0.0 मिमी और तहसील अहिवारा में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

## खेल दिवस का आयोजन कल

**दुर्ग।** जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 अगस्त को खेल दिवस का आयोजन किया जाएगा। 29 अगस्त को प्रातः 7.30 बजे सुराना कॉलेज मैदान दुर्ग से खिलाड़ियों की प्रदर्शन दौड़ आयोजन के पश्चात स्व. मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। जिलों की टीमों के मध्य हॉकी मैच आयोजित किया जाएगा। खिलाड़ियों को स्वल्पाहार, अतिथियों का सम्मान एवं विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार दिया जाएगा।

# जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर निकाली शहर में जुलूस

## लंगर और तकरीर सहित कई आयोजनों की रही रौनक

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-कुम्हारी*

पैगम्बर हजरत मुहम्मद के जन्मदिन जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर शहर में बुधवार को सुबह से देर रात तक शहर में कई आयोजन हुए। सुबह के वक्त फजर की नमाज के बाद तमाम मस्जिदों, खानकाहों और मदरसों में परचमे इस्लाम फहराया गया। इस दौरान नारा-ए-तकबीर और नारा-ए-रिसालत से आसमान गूंज उठा। सुबह से दोपहर तक शहर के अलग-अलग हिस्सों में जुलूस-ए-मुहम्मदी निकाला गया। इस दौरान फातिहा ख्वानी भी हुई।

शहर की तमाम अंजुमनों और मस्जिद कमेटियों की ओर से जुलूस-ए-मुहम्मदी की शुरूआत बुधवार को दोपहर 02 बजे गौसिया मस्जिद केम्प-1 के पास से हुई। जुलूस यहां से लिंक रोड से होते हुआ केम्प - 2, रजा जामा मस्जिद, मदरसा रोड - शीतला कॉम्प्लेक्स से नंदिनी रोड, फ्लाई ओवर ब्रिज पार कर इक्विपमेंट चौक पहुंचा। इसी तरह हाउसिंग बोर्ड की तरफ से आने वाली अंजुमन फौजी नगर, छावनी चौक, नन्दिनी रोड होते हुए पावर हाउस पहुंची और खुर्सीपार जोन 1/2 व जोन-3 से आने वाली तमाम अन्जुमन पावर हाउस होते हुए इक्विपमेंट चौक पहुंची। यहां से जुलूस सेंट्रल एवेन्यू रोड (पंडित रविशंकर शुक्ल मार्ग) से सेक्टर-5 चौक होते हुए शाम 6 बजे सेक्टर-6 जामा मस्जिद के ईदगाह मैदान में पहुंचा। जहां तमाम मस्जिदों के इमाम और तमाम आशिके नबी के बीच परचमे इस्लाम फहराया गया। जामा मस्जिद सेक्टर-6 ईदगाह मैदान में मगरिब की नमाज के बाद रहमते आलम कॉन्फ्रेंस रखी गई। जिसमें हसन रजा कादरी कोलकाता ने सीरते नबी का बयान किया। इस जलसे की निजामत गुलाम मोहिउद्दीन रजवी ने की। वहीं शायरे इस्लाम डॉ. जहीरुद्दीन रहबर सहित तमाम शायरों ने हम्द ओ नात का तोहफा पेश किया।

सेक्टर-7 में निवासरत मुस्लिम समुदाय की ओर से जश्ने ईद मिलादुन्नबी के सिलसिले में जुलूसे मुहम्मदी निकाला गया। यहां सुबह 8 बजे हाजी सैयद अनवर अली के घर स्ट्रीट-19 मदरसे से जुलूस ए मोहम्मदी निकला जो मार्केट से होता



हुआ सड़क नंबर 25, 26, 28 से सड़क नंबर 37 और वहां से सड़क-30 पहुंचा। यहां से सड़क 32 से होकर सड़क नंबर 29 से होते हुए सड़क 16 पहुंचा और वहां से एवेन्यू से होता हुआ सड़क नंबर 13 ,9 ,8,7 से होकर मदरसा पहुंचा। यहां फातिहा ख्वानी और परचम कुशाई की रस्म अदा की गई। इसी तरह ताज दरबार जीई रोड साक्षरता चौक के सामने सुबह 10 बजे परचमे इस्लाम फहराया जाएगा। जुलूसे मुहम्मदी के आयोजन में मुजीब, समीर, फैजान, सगीर खान, अशरफ अली, आसिफ हुसैन, आरिफ हुसैन, इसरार अली, हसीबुद्दीन खान, शाहिद खान और आबान खान सहित सेक्टर-7 के तमाम लोगों की भागीदारी रही।

ईद मिलादुन्नबी पर सैयदी सुन्नी जामा मस्जिद भिलाई-3 में बुधवार को जुलूसे मुहम्मदी निकाला गया। यहां परचम कुशाई की रस्म अदा की गई और फातिहा ख्वानी भी हुई। जुलूस में मदरसों के बच्चों के साथ-साथ तमाम आलिमे दीन नात शरीफ पढ़ते हुए शहर के विभिन्न हिस्सों से निकले। वापस जुलूस मस्जिद लौटा। जहां दुआए खैर की गई। इन आयोजनों में सैयदी सुन्नी जामा मस्जिद भिलाई-3 से रुस्तम खान सदर, नसीम खान सेक्रेटरी, रईस अहमद कैशियर, मोहम्मद तौसीफ , तौहीद खान, अब्दुल हुसैन, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद हाशमी, अबुल हसन, तौसीफ हनफी, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद इमरान, मोहम्मद लतीफ, अजहर खान मोहम्मद हाशमी ,फारूक चौहान, अब्दुल रियाज और अब्दुल लतीफ सहित अन्य लोगों का योगदान रहा।

### ग्राम कंडरका में दिखी हिंदू-मुस्लिम एकता की झलक

कुम्हारी के समीपस्थ ग्राम कंडरका में जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर स्थानीय लोगों ने भाईचारे की अनूठी मिसाल पेश की। यहां ग्रामीणों ने ईद मिलादुन्नबी को विश्व अमन दिवस के तौर पर मनाया। जिसमें आसपास के 20-25 गांव में निवासरत हिंदू-मुस्लिम बिरादरी के लोग जुलूस में शामिल हुए। जुलूस के दौरान नात पाक पेश की गई और रास्ते भर फल, बिस्किट व मिठाई बांटी गई। साहित्यकार डॉ. परदेशीराम वर्मा ने बताया कि उनके गांव कंडरका में हिंदू-मुस्लिम एकता की 100 साल से भी पुरानी परंपरा है और यहां हर त्यौहार दोनों समुदाय के लोग मिल कर मनाते हैं।

# चिट्टा-हेरोइन प्रकरण में एंड-टू-एंड विवेचना से दो और आरोपी गिरफ्तार

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

चिट्टा (हेरोइन) के अवैध कारोबार से जुड़े मामले में सिटी कोतवाली दुर्ग पुलिस ने एंड-टू-एंड विवेचना करते हुए दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के बाद मामले में अब तक कुल चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस ने 26 अगस्त को गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों के कब्जे से तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 22 अगस्त 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि शासकीय जिला अस्पताल दुर्ग के आगे नल घर के पास दो व्यक्ति चिट्टा (हेरोइन) जैसा मादक पदार्थ लेकर ग्राहक की तलाश कर रहे हैं। सूचना पर सिटी कोतवाली पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और विकास यादव (27) तथा फयाज खोखर उर्फ सोहेल (26) को पकड़ा।

तलाशी के दौरान विकास यादव के कब्जे से 7,370 मिलीग्राम तथा फयाज खोखर उर्फ सोहेल के कब्जे से 7,000 मिलीग्राम चिट्टा (हेरोइन) जैसा मादक पदार्थ बरामद किया गया। दोनों के कब्जे से कुल 14,370 मिलीग्राम (14.370 ग्राम) मादक पदार्थ बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 48 हजार 300 रुपये बताई गई। इसके अलावा दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 21(क) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था।

प्रकरण की आगे की जांच के दौरान पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ, मेमोरेण्डम कथन, उपलब्ध साक्ष्यों और लगातार पतासाजी के आधार पर मामले में जुड़े दो अन्य आरोपियों की जानकारी जुटाई। इसके बाद पुलिस टीम ने 26 अगस्त को सिफतैन रजा (23) निवासी केलाबाड़ी, दुर्ग तथा डारेन असरफी (25) निवासी तकियापारा, दुर्ग को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की।

पुलिस के मुताबिक पूछताछ में दोनों के मामले में शामिल होने की जानकारी सामने आने पर उन्हें विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। सिफतैन रजा के कब्जे से एक Apple मोबाइल फोन तथा डारेन असरफी के कब्जे से एक Apple और एक Tecno कंपनी का मोबाइल फोन जब्त किया गया। इस कार्रवाई के बाद मामले में 22 अगस्त को गिरफ्तार विकास यादव और फयाज खोखर उर्फ सोहेल तथा 26 अगस्त को गिरफ्तार सिफतैन रजा और डारेन असरफी सहित कुल चार आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं। पुलिस की एंड-टू-एंड विवेचना में आरोपियों द्वारा मादक पदार्थ अपने पास रखकर संभावित ग्राहकों की तलाश और अवैध बिक्री किए जाने की गतिविधि सामने आई है।

# देशी कट्टा के साथ आरोपी को पकड़ने वाली खुर्सीपार पुलिस टीम सम्मानित

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

खुर्सीपार थाना क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर देशी कट्टा लहराकर लोगों को डराने-धमकाने वाले आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर हथियार बरामद करने वाली पुलिस टीम के छह अधिकारी-कर्मचारियों को पुलिस अधीक्षक द्वारा नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुलिस टीम की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की सराहना करते हुए कुल 1100 रुपये का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया।

जानकारी के अनुसार, 25 अगस्त 2026 को थाना खुर्सीपार क्षेत्र के उड़िया बस्ती, लक्ष्मी नारायण वार्ड में एक व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक स्थान पर देशी कट्टा लहराकर स्वयं को क्षेत्र का दबंग बताते हुए आने-जाने वाले लोगों को डराने-धमकाने की सूचना



पुलिस को मिली थी। सूचना मिलते ही खुर्सीपार पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी की पहचान उत्तम उर्फ पुरुषोत्तम सोना (38 वर्ष), निवासी खुर्सीपार, जिला दुर्ग के रूप में की। उसके कब्जे से 12 बोर की एक देशी कट्टा बंदूक और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। मामले में आरोपी के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई।

पुलिस टीम द्वारा तत्परता, साहस और बेहतर समन्वय के साथ की गई कार्रवाई को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने टीम के सदस्यों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में निरीक्षक लक्ष्मण कंवर, थाना प्रभारी खुर्सीपार को 300 रुपये, सउनि तुलसीराम बिंझेकर को 200 रुपये, जबकि प्रधान आरक्षक क्रमांक 1534 राम नारायण यदु, आरक्षक क्रमांक 842 चुमक सिन्हा, आरक्षक क्रमांक 691 शैलेश यादव एवं आरक्षक क्रमांक 1642 राजकुमार दलई को 150-150 रुपये का नगद पुरस्कार दिया गया।

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि सार्वजनिक स्थानों पर हथियार लहराने, लोगों को डराने-धमकाने अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली किसी भी गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। पुलिस ने कहा कि नागरिकों की सूचना और सहयोग से ऐसी घटनाओं पर त्वरित वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

# सड़क पर वाहन खड़ा कर आवागमन बाधित करने वाले दो चालकों पर अपराध दर्ज, पांच के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

ग्राम फुण्डा पेट्रोल पंप के पास सार्वजनिक सड़क पर वाहन खड़ा कर आम नागरिकों की आवाजाही बाधित करने और मौके पर विवाद की स्थिति उत्पन्न करने के मामले में पाटन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। पुलिस ने दो वाहन चालकों के खिलाफ धारा 285 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है, जबकि दोनों पक्षों के कुल पांच व्यक्तियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। कार्रवाई के दौरान एक पीकप वाहन और एक आईचर ट्रक, कुल करीब 19 लाख रुपये कीमत के वाहन जब्त किए गए।

पुलिस के अनुसार, 25 मई 2026 की रात करीब 2 बजे ग्राम फुण्डा पेट्रोल पंप के पास पीकप वाहन क्रमांक उ.04 उ.1340 और आईचर ट्रक क्रमांक उ.07 उ.7732 को आम सड़क पर खड़ा किए जाने की सूचना मिली थी।



वाहनों के सड़क पर खड़े होने से आवागमन प्रभावित हो रहा था। इसी दौरान वाहन चालकों के बीच बहस और विवाद की स्थिति भी निर्मित हो गई।

सूचना मिलते ही थाना पाटन पुलिस एवं एसीसीयू टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने संबंधित लोगों को समझाइश देकर वाहनों को हटाने और विवाद समाप्त करने का प्रयास किया, लेकिन समझाइश के बावजूद स्थिति सामान्य नहीं हुई। मौके पर तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने दोनों वाहन चालकों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की।

पुलिस ने अपराध क्रमांक 303/2026 में धारा 285 बीएनएस के तहत भूपेश कुमार बघेल (27 वर्ष), निवासी ग्राम खोपली, थाना उतई, जिला दुर्ग के खिलाफ अपराध दर्ज किया। वहीं अपराध क्रमांक 304/2026 में राजू कुमार धुर्वे (28 वर्ष), निवासी सोमनापुर महामाया पारा, थाना कुण्डा, जिला कवर्धा के खिलाफ धारा 285 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। इसके अलावा शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दोनों वाहन चालकों सहित उनके साथियों के खिलाफ धारा 170/126, 135(3) बीएनएसएस के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। भूपेश कुमार बघेल के साथ भागवत वर्मा (19 वर्ष) तथा राजू कुमार धुर्वे के साथ मोहन सोरी (24 वर्ष) और मानस चंदेल (20 वर्ष) के विरुद्ध भी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। सभी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पीकप वाहन क्रमांक CG 04 CP 1340, जिसकी अनुमानित कीमत 7 लाख रुपये है, तथा आईचर ट्रक क्रमांक CG 07 CZ 7732, जिसकी अनुमानित कीमत 12 लाख रुपये है, जब्त किया। दोनों वाहनों की कुल अनुमानित कीमत करीब 19 लाख रुपये बताई गई है।

# संत रविदास जयंती पर निकली कलश वंदन यात्रा

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

भारतीय जनता पार्टी जिला नेतृत्व के निर्देशानुसार समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत संत शिरोमणि श्री रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर चंडी शीतला मंडल में भव्य कलश वंदन यात्रा निकाली गई। मंडल अध्यक्ष कमलेश फेकर के नेतृत्व में आयोजित यह यात्रा वार्ड क्रमांक 58 उरला स्थित मां काली मंदिर से प्रारंभ हुई।

कलश वंदन यात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। इस दौरान संत रविदास जी के आदर्शों एवं उनके द्वारा दिए गए समानता, सामाजिक समरसता, भाईचारे और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि संत रविदास जी ने समाज में भेदभाव समाप्त कर समतामूलक और सद्भावपूर्ण समाज की स्थापना का मार्ग दिखाया, जिसे वर्तमान पीढ़ी को अपने जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ प्रदेश सह संयोजक एवं जिला टोली सदस्य दिनेश देवांगन, प्रदेश महिला मोर्चा कार्यसमिति सदस्य ममता देवांगन, मंडल महामंत्री एवं कार्यक्रम टोली संयोजक अमित पटेल, मंडल महामंत्री नवीन साहू, एससी मोर्चा अध्यक्ष रश्विन वाल्दे, महिला मोर्चा मंडल मंत्री अर्चना खंडारे, वरिष्ठ भाजपा नेता शंभू पटेल, आरटीआई जिला संयोजक विजय कुमार ताम्रकार, पार्षद मनीष साहू एवं गोविंद देवांगन, युवा मोर्चा अध्यक्ष अनिल साहू, महामंत्री अभिलाष गुप्ता एवं बिट्टू साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इसके अलावा महिला मोर्चा अध्यक्ष दिनेश्वरी तुरकर, महिला मोर्चा प्रभारी झरना वर्मा, महामंत्री रेशम सोनकर एवं यामिनी गुप्ता, प्रीति साहू, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष विकास सेन, किसान मोर्चा अध्यक्ष गोलू सोनकर, महिला मोर्चा उपाध्यक्ष प्रीति गुप्ता, कार्यालय मंत्री वर्षा बिसेन, सह मीडिया प्रभारी बबीता चौधरी, आईटी सेल संयोजक रंजुला समाल, सह संयोजक तीजेश्वरी निर्मलकर, हेमवती सिन्हा, युवा मोर्चा मंत्री अवधेश दुबे एवं मधुर सोनी, वसुंधरा चौरे, कान्हा शर्मा, आईटी सेल प्रभारी मन्नत शर्मा, सह कार्यालय मंत्री श्यामा देवदास, विधि एवं तकनीकी सह प्रभारी विकास चंद्राकर, राहुल यादव, युवा मोर्चा मंत्री पूर्वज यादव सहित भाजपा कार्यकर्ता व लोग मौजूद रहे।

# मुख्यमंत्री ने साइंस ऑन व्हील्स को दिखाई हरी झंडी, अब स्कूलों तक पहुंचेगी प्रयोगों की चलती-फिरती विज्ञानशाला

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

**अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स, सतत विकास और जल निस्पंदन जैसे विषयों को प्रयोगों और मॉडलों के जरिए समझेंगे विद्यार्थी**

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कैम्प कार्यालय बगिया में साइंस ऑन व्हील्स वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विज्ञान को स्कूलों और विद्यार्थियों के और करीब ले जाने वाली यह चलती-फिरती विज्ञानशाला बच्चों को रोचक प्रयोगों, वैज्ञानिक मॉडलों और गतिविधियों के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की दुनिया से परिचित कराएगी। विशेष रूप से आधुनिक वैज्ञानिक संसाधनों तक सीमित पहुंच वाले क्षेत्रों के विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों में स्वाभाविक रूप से अपने आसपास की दुनिया को जानने और समझने की जिज्ञासा होती है। इस जिज्ञासा को वैज्ञानिक सोच, प्रयोग और नवाचार से जोड़ना आवश्यक है। साइंस ऑन व्हील्स बच्चों को किताबों में पढ़े विज्ञान को प्रयोगों के माध्यम से समझने का अवसर प्रदान करेगी। इससे उनमें सवाल पूछने, प्रयोग करने और समस्याओं के वैज्ञानिक समाधान खोजने की प्रवृत्ति विकसित होगी।

उन्होंने कहा कि आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी हमारे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। आने वाला समय नई तकनीकों और नवाचार का है। ऐसे में विद्यार्थियों को स्कूली शिक्षा के दौरान ही विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराना उनके भविष्य के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। इस प्रकार की पहल बच्चों की प्रतिभा को पहचानने और उन्हें विज्ञान, अनुसंधान तथा नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

साइंस ऑन व्हील्स की विशेषता यह है कि

इसमें विज्ञान को केवल सैद्धांतिक जानकारी तक सीमित न रखते हुए विद्यार्थियों को स्वयं प्रयोग करने और गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। वाहन के माध्यम से स्कूलों तक वैज्ञानिक मॉडल, प्रयोग और प्रदर्शनियां पहुंचाई जाएंगी। इससे विद्यार्थी विज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों को सरल और रोचक तरीके से समझ सकेंगे।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मुख्य रूप से चार महत्वपूर्ण मॉड्यूल से जोड़ा जाएगा। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के माध्यम से उन्हें ब्रह्मांड और अंतरिक्ष विज्ञान की रोचक दुनिया से परिचित कराया जाएगा। रोबोटिक्स के माध्यम से नई तकनीकों, नवाचार और भविष्य के तकनीकी कौशल की समझ विकसित की जाएगी। सतत विकास मॉड्यूल विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और बेहतर भविष्य के निर्माण के प्रति जागरूक करेगा। वहीं जल निस्पंदन के माध्यम से स्वच्छ जल, जल संरक्षण तथा इससे जुड़े वैज्ञानिक समाधानों को प्रयोगों के जरिए समझाया जाएगा।

साइंस ऑन व्हील्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल एक बार विज्ञान के प्रयोग दिखाना नहीं, बल्कि विज्ञान, नवाचार और तकनीक के प्रति उनमें स्थायी रुचि विकसित करना है। विभिन्न गतिविधियों, प्रयोगों, मॉडलों और प्रदर्शनियों के माध्यम से बच्चों को ऐसा सीखने का अनुभव दिया जाएगा, जो उन्हें स्वयं सवाल पूछने, उनके उत्तर तलाशने और नए विचारों पर काम करने के लिए प्रेरित करे। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ समस्या-समाधान, तार्किक सोच, रचनात्मकता और नवाचार की क्षमता को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जाएगा। भविष्य की तकनीकों से विद्यार्थियों का प्रारंभिक परिचय उन्हें बदलती दुनिया की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने में भी सहायक होगा।

**खास खबर**

## शहीद परिवारों के घर पहुंची रायपुर पुलिस राखी बंधवाकर दिया सुरक्षा का वचन

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

रक्षा बंधन पर्व पर पुलिस कमिश्नरेट रायपुर ने अनूठी पहल की। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और डीसीपी ट्रैफिक डॉ. अर्चना झा के निर्देशन में पुलिस अधिकारी-कर्मचारी शहर के शहीद जवानों के घर पहुंचे और परिवारों के साथ रक्षा बंधन मनाया।

पुलिसकर्मियों ने शहीद परिवारों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और शहीदों के बलिदान को याद करते हुए सम्मान व्यक्त किया। शहीद परिवारों की बहनों ने पुलिस अधिकारियों को रक्षा सूत्र बांधा। इस दौरान पुलिस ने शहीद परिवारों को उपहार में हेलमेट भेंट कर सड़क सुरक्षा का संदेश दिया और दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने का संकल्प दिलाया। पुलिस ने कहा कि शहीद परिवार कमिश्नरेट पुलिस परिवार का अभिन्न हिस्सा हैं और विभाग हमेशा उनके साथ खड़ा है।

## संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज का जीवन पूरे भारतवर्ष के लिए प्रेरणा का विषय : वित्त मंत्री चौधरी

**रायपुर।** वित्त मंत्री ओपी चौधरी संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित सारंगढ़ बिलाईगढ़ में जिला स्तरीय कलश वंदन अभियान कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने संत रविदास जी के जीवन और उनके विचारों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कलश वंदन अभियान के तहत निकाले जाने वाले रथों को पीली झंडी दिखाकर रवाना किया तथा विधिवत रूप से कलश वंदन अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी को नमन करते हुए उनके सामाजिक समरसता, समानता और मानव कल्याण के संदेश को याद किया।

मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि संत रविदास जी का जीवन और उनके विचार पूरे भारतवर्ष के लिए प्रेरणा का विषय हैं। उन्होंने समाज में भेदभाव और ऊंच-नीच की भावना से ऊपर उठकर समानता, प्रेम, सद्भाव और मानवता का संदेश दिया। उनका जीवन हमें समाज के प्रत्येक वर्ग के सम्मान और सभी के कल्याण की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित कलश वंदन अभियान उनके विचारों और संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे आयोजनों से समाज में सामाजिक समरसता, एकता और सद्भाव की भावना और मजबूत होती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और नागरिक उपस्थित रहे।

# मुख्यमंत्री साय ने एक्सप्रेस योजना का किया शुभारंभ

**रक्षाबंधन पर विष्णु भैया ने 50 बहनों को दिया आत्मनिर्भरता का उपहार, सौंपे ई-रिक्शा, बहनों ने मुख्यमंत्री की कलाई पर बांधी राखी**

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बगिया कैम्प कार्यालय में महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए जशपुर एक्सप्रेस योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जशपुर जिले की 50 महिलाओं को ई-रिक्शा प्रदान कर उन्हें आजीविका और आर्थिक आत्मनिर्भरता की नई राह से जोड़ा।

रक्षाबंधन के आत्मीय वातावरण में स्व-सहायता समूहों की दीदियों ने मुख्यमंत्री साय की कलाई पर राखी बांधी और उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री ने भी बहनों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें साड़ी और मिठाई उपहार स्वरूप भेंट की। बहनों के बीच मुख्यमंत्री का आत्मीय अंदाज कार्यक्रम को विशेष बना गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिलाओं का आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना सशक्त परिवार और समृद्ध समाज की बुनियाद है। हमारी बहनें आज स्व-सहायता समूहों के माध्यम से विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जुड़कर स्वावलंबन की नई इबारत लिख रही हैं। ई-रिक्शा उनके लिए केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि नियमित आय और सम्मानजनक स्वरोजगार का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि महिलाओं को केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि उन्हें ऐसी आजीविका गतिविधियों से भी जोड़ा जाए, जिनसे वे अपने पैरों पर खड़ी हो सकें और परिवार की आर्थिक प्रगति में अपनी भूमिका को और मजबूत कर सकें।

### पिछले रक्षाबंधन पर 14, इस बार 50 बहनों को ई-रिक्शा की सौगात

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बहनों को स्वरोजगार से जोड़ने की यह पहल लगातार आगे बढ़ रही है। पिछले रक्षाबंधन पर्व पर भी स्व-सहायता समूहों की 14 महिलाओं को ई-रिक्शा प्रदान किए गए थे। इस वर्ष ह्यजशपुर एक्सप्रेसह्व योजना के माध्यम से 50 और बहनों को ई-रिक्शा उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने बताया कि राजधानी रायपुर में भी महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से 92 ई-रिक्शा प्रदान किए गए हैं। ई-रिक्शा चला रही महिलाएं आज प्रतिमाह लगभग 15 हजार रुपए तक की आमदनी अर्जित कर रही हैं। इससे उनके परिवार की आय बढ़ने के साथ उनमें आत्मविश्वास और आर्थिक स्वतंत्रता भी बढ़ी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब किसी बहन के हाथ में स्वयं की कमाई आती है तो उसका लाभ पूरे परिवार को मिलता है। बच्चों की पढ़ाई, परिवार की आवश्यकताओं और भविष्य के लिए बचत जैसे अनेक कार्यों में यह आय सहारा बनती है। सरकार का उद्देश्य प्रदेश की अधिक से अधिक महिलाओं को इसी तरह आयमूलक गतिविधियों से जोड़ना है। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्व-सहायता समूहों की महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आज हमारी दीदियां किराना दुकान, सब्जी व्यवसाय और विभिन्न छोटे उद्यमों सहित अनेक आजीविका गतिविधियों से जुड़ी हुई हैं। अब ई-रिक्शा जैसी सेवाओं में भी महिलाएं आगे आ रही हैं।

उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ महिलाओं के लिए स्वरोजगार के नए अवसर तैयार किए जा रहे हैं। सरकार महिलाओं को प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और बाजार से जोड़ने की दिशा में भी लगातार कार्य कर रही है, ताकि उनके उद्यम टिकाऊ हों और उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को स्वरोजगार प्रारंभ करने और अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए मुद्रा ऋण की सुविधा भी उपलब्ध है। महिलाओं को इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेकर अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप उद्यम शुरू करना चाहिए।

जशपुर एक्सप्रेस योजना के माध्यम से महिलाओं को ई-रिक्शा उपलब्ध कराकर

उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया गया है। इससे एक ओर महिलाओं को नियमित आमदनी का माध्यम मिलेगा, वहीं दूसरी ओर स्थानीय स्तर पर आवागमन की सुविधा भी बेहतर होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने ई-रिक्शा प्राप्त करने वाली बहनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें और अपने परिश्रम से आर्थिक आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम करें। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ की महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी क्षमता साबित कर रही हैं। शासन की योजनाओं और अपनी मेहनत के बल पर वे परिवार की आर्थिक शक्ति बनने के साथ प्रदेश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

### बगिया में विकास कार्यों का भी भूमिपूजन

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने बगिया क्षेत्र को विकास कार्यों की सौगात भी दी। उन्होंने लगभग 3 करोड़ रुपए की लागत से बगिया में बनने वाले विश्राम गृह का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही बगिया में यादव मोहल्ला तक बनने वाली सीसी सड़क के निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक अधोसंरचना और नागरिक सुविधाओं का विस्तार राज्य सरकार की प्राथमिकता है। गांवों में सड़क, भवन एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास से लोगों के जीवन में सहूलियत बढ़ने के साथ स्थानीय विकास को भी गति मिलती है।

### राखी के स्नेह के साथ आत्मनिर्भरता का संकल्प

रक्षाबंधन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बहनों और मुख्यमंत्री के बीच आत्मीय संवाद भी हुआ। स्व-सहायता समूह की दीदियों ने मुख्यमंत्री की कलाई पर राखी बांधकर अपना स्नेह व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने बहनों को साड़ी और मिठाई भेंट करते हुए उनके सुखद, समृद्ध और आत्मनिर्भर भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बहनों का स्नेह और आशीर्वाद उन्हें प्रदेश के विकास और जनसेवा के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। सरकार का संकल्प है कि प्रदेश की प्रत्येक बहन को आगे बढ़ने का अवसर मिले, वह आर्थिक रूप से सशक्त बने और अपने परिवार के साथ छत्तीसगढ़ की समृद्धि में सहभागी बने।

इस अवसर पर कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक कुमार सहित अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में स्व-सहायता समूहों की महिलाएं उपस्थित थीं।

# लोक भवन में गूंजा अपनत्व का संदेश, दिव्यांग बच्चों ने राज्यपाल रमेन डेका को बांधा रक्षा सूत्र

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर कोपल वाणी के श्रवण बाधित दिव्यांग बच्चों तथा मिनी मार्वल्स स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने लोक भवन पहुंचकर राज्यपाल रमेन डेका को अपने हाथों से बनाई गई राखियां बांधीं। बच्चों ने रक्षा सूत्र बांधकर राज्यपाल के स्वास्थ्य, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की और उन्हें अपने हाथों से तैयार की गई राखियों की विशेषता भी बताई। इसके बाद बच्चों ने राज्यपाल का मुंह मीठा कराया।

मासूम हाथों से बनाई गई राखियां जब राज्यपाल श्री डेका की कलाई पर सजीं तो रक्षाबंधन का यह अवसर आत्मीयता और भावनाओं से भर उठा। राज्यपाल ने बच्चों के स्नेह को सहर्ष स्वीकार करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया तथा उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। लोक भवन पहुंचकर बच्चों के चेहरे पर खुशी और उत्साह देखते ही बन रहा था। विशेष रूप से कोपल वाणी के दिव्यांग बच्चों के लिए यह अवसर सम्मान, आत्मविश्वास और गौरव से भरा रहा। अपने हाथों से राखियां तैयार कर उन्हें राज्यपाल की कलाई पर बांधना बच्चों की रचनात्मकता, कौशल और आत्मनिर्भरता का सुंदर उदाहरण रहा। इस अवसर ने यह संदेश भी दिया कि दिव्यांग बच्चे समाज की मुख्यधारा का अभिन्न हिस्सा हैं और उन्हें समान अवसर एवं प्रोत्साहन मिलना चाहिए।

राज्यपाल ने बच्चों की प्रतिभा और उत्साह

की सराहना करते हुए कहा कि रक्षाबंधन प्रेम, स्नेह और पारस्परिक विश्वास का पर्व है। बच्चों का यह आत्मीय स्नेह मन को छू लेने वाला है। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि समाज को दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर कोपल वाणी की संस्थापिका पदमा शर्मा, श्रद्धा साहू एवं सोनिया दामनी उपस्थित रहीं। मिनी मार्वेल्स स्कूल की डायरेक्टर अनुभूति श्रीवास्तव सहित शिक्षकगण भी उपस्थित थे।

# खरसिया को आधुनिक तहसील भवन की सौगात, वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किया लोकार्पण

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

खरसिया के नागरिकों को आधुनिक और सुव्यवस्थित प्रशासनिक सुविधाओं की बड़ी सौगात मिली है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बुधवार को खरसिया में नवनिर्मित संयुक्त तहसील भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने ह्यएक पेड़ मां के नामह्व अभियान के तहत परिसर में अशोक का पौधा भी रोपा। लगभग 2 करोड़ 75 लाख रुपए की लागत से निर्मित दो मंजिला संयुक्त तहसील भवन में तहसील प्रशासन से जुड़े विभिन्न कार्यालय, न्यायालय कक्ष और नागरिक सेवाओं की सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी। इससे खरसिया सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले नागरिकों को राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी।

**एक परिसर में मिलेंगी अनेक प्रशासनिक सेवाएं :** नए भवन में एसडीएम एवं तहसीलदार न्यायालय व कार्यालय, नायब तहसीलदार कक्ष, कानूनगो शाखा, भू-अर्जन शाखा, निर्वाचन शाखा, भुइयां शाखा, अभिलेखागार, केंद्रीय रिकॉर्ड रूम, सेवा सेतु/लोक सेवा केंद्र, ट्रेजरी कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार कार्यालय, खाद्य निरीक्षक एवं आपदा प्रबंधन कक्ष जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। भवन में मीटिंग हॉल, निर्वाचन स्ट्रांग रूम, ट्रेजरी स्ट्रांग रूम तथा अधिवक्ताओं के लिए पृथक कक्ष की व्यवस्था भी की गई है। दिव्यांगजनों के लिए रैम्प तथा महिला एवं पुरुष प्रसाधन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जिला पंचायत सीईओ अभिजीत बबन पठारे ने बताया कि नए भवन के निर्माण से हजारों नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

**जनता के जीवन में बदलाव लाने वाले कार्य सरकार की प्राथमिकता :** लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल घोषणाएं करना नहीं, बल्कि ऐसे विकास कार्य करना है, जिनसे जनता के जीवन में वास्तविक बदलाव आए। उन्होंने कहा कि खरसिया में विकास कार्यों को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है।

वित्त मंत्री ने खरसिया क्षेत्र के विभिन्न महत्वपूर्ण विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि की व्यवस्था/स्वीकृति कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा कर प्राथमिकता वाले कार्य तय किए जाएंगे, ताकि उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए खरसिया में विकास को नई गति दी जा सके। उन्होंने खरसिया के निमाणाधीन आरओबी को महत्वपूर्ण परियोजना बताते हुए कहा कि लगभग 67 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे आरओबी का निर्माण पूर्ण कराकर जनता को इसका लाभ दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विकास के मुद्दों पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर जनहित में काम करने की आवश्यकता है।

वित्त मंत्री ने नगरपालिका द्वारा किए जा रहे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, यूथ कॉम्प्लेक्स सहित अन्य विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने कुसमुरा में निमाणाधीन कॉलेज भवन का कार्य पूर्ण कराकर शीघ्र लोकार्पण कराने की बात भी कही।

रायगढ़ लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया ने नए तहसील भवन के लिए वित्त मंत्री एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि खरसिया में आम नागरिकों के लिए आधुनिक और व्यवस्थित तहसील कार्यालय की उपलब्धता महत्वपूर्ण उपलब्धि है। नए भवन से लोगों के प्रशासनिक एवं राजस्व संबंधी कार्य अधिक सुगमता से होंगे तथा उन्हें बेहतर सेवाएं मिलेंगी।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिखा रवीन्द्र गबेले ने क्षेत्रवासियों की ओर से नए तहसील भवन के लोकार्पण पर आभार व्यक्त किया। नगर पालिका अध्यक्ष कमल गर्ग ने इसे खरसिया के लिए उत्सव का दिन बताते हुए कहा कि नए भवन से वर्षों से चली आ रही प्रशासनिक कार्यालय की असुविधाएं दूर होंगी। उन्होंने आरओबी, नालंदा परिसर, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और यूथ कॉम्प्लेक्स सहित विभिन्न विकास कार्यों का उल्लेख किया।

**अधिवक्ता संघ ने किया वित्त मंत्री का स्वागत :** खरसिया अधिवक्ता संघ द्वारा वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी का स्वागत किया गया। संघ ने कहा कि आधुनिक एवं सुव्यवस्थित तहसील भवन से अधिवक्ताओं के साथ-साथ राजस्व एवं न्यायालयीन कार्यों के लिए आने वाले नागरिकों को भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। संघ ने भवन निर्माण के लिए वित्त मंत्री एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राजकुमारी दिलीप राठिया, सहित जनप्रतिनिधि, अधिवक्ता, प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक एवं पत्रकार उपस्थित रहे।

## संपादकीय

# यूपी में महिलाओं के लिए एक से बढ़कर एक घोषणाएं

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले योगी सरकार व समाजवादी पार्टी ने महिलाओं और बेटियों को साधने के लिए चुनाव के कुछ महीने पहले ही होड़ शुरू हो गई है। योगी सरकार कोई घोषणा महिलाओं व बालिकाओं के लिए करती है तो सपा के लिए भी जरूरी हो जाता है कि वह भी ऐसी कोई घोषणा करे। यूपी में भाजपा दो बार चुनाव जीतकर सरकार बना चुकी है और कई ऐसे काम किए जिनके कारण भाजपा की जीत तीसरी बार भी तय मानी जा रही है। ऐसे में सपा के लिए इस बार का चुनाव जीतना प्रतिष्ठा का प्रश्न बन चुका है। यहीं वजह है कि सरकार का मुकाबला बराबरी से करने का प्रयास हर स्तर पर किया जा रहा है। यूपी में सपा भाजपा का विकल्प है तो उसे हर तरह से जनता को बताना और दिखाना जरूरी है कि योगी सरकार जो कुछ करने का वादा कर रही है या कर रही है तो हमारी सरकार आएगी तो हम भी वह सब कर सकते है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा ऐलान किया है कि उनकी सरकार प्रदेश की 50 हजार छात्राओं को स्कूटर देगी। बुधवार को लखनऊ में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना के शुभारंभ कार्यक्रम में सीएम ने ये ऐलान किया है। ऐसा करके उन्होंने साबित कर दिया है कि यूपी की डबल इंजन सरकार की हर एक योजना बेटियों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है और बेटियों की सुरक्षा सरकार की पहली प्राथमिकता है। लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना के तहत उत्तर प्रदेश की 60 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा मिलेगी। इस योजना का लाभ रोजाना करीब 88438 महिला यात्रियों को मिलने का अनुमान है। योजना के तहत निशुल्क यात्रा सुविधा के लिए 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को परिवहन निगम की ओर से विशेष स्मार्ट कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे पात्र महिला यात्रियों की पहचान और निशुल्क यात्रा की व्यवस्था को सुगम बनाया जा सकेगा। रक्षाबंधन के अवसर पर 27, 28 और 29 अगस्त को महिलाओं को अपने एक सहयात्री के साथ निशुल्क बस यात्रा की सुविधा मिलेगी। वहीं, इसके बाद 60 वर्ष की उम्र से ऊपर की हर एक महिला को निशुल्क बस यात्रा की सुविधा मिलेगी।

सीएम योगी कोई घोषणा करें तो सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कैसे पीछे रह सकते हैं। अखिलेश यादव और मैनपुरी सांसद डिंपल यादव ने स्त्री सम्मान समृद्धि योजना के तहत सत्ता में आने पर प्रदेश की हर महिला को हर साल 40 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का वादा किया। अखिलेश यादव ने कहा कि भविष्य में इस राशि को और बढ़ाया भी जा सकता है। अखिलेश यादव ने यह भी घोषणा की कि सपा की सरकार बनने पर 12वीं पास करने वाली बेटियों को लैपटॉप दिए जाएंगे। महिलाओं और छात्राओं के लिए परिवहन सुविधाओं में सुधार का भी ऐलान करते हुए कहा कि छात्राओं को कार्ड के माध्यम से मेट्रो में मुफ्त यात्रा जैसी सुविधा उपलब्ध कराने पर काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सपा सरकार बनने पर पहले की तरह छात्र-छात्राओं को साइकिल दी जाएगी। महिलाओं के लिए बेहतर सार्वजनिक शौचालय बनाए जाएंगे।

यूपी बड़ा राज्य है यहां 6 करोड महिला वोटर हैं, चुनाव जिताने में उनकी भूमिका सबसे अहम मानी जा रही है यही वजह है कि महिलाओं के लिए कई घोषणाएं योगी सरकार कर चुकी है और एक ऐसी घोषणा वह चुनाव के पहले कर सकती है जिसमें महिलाओं को पचास हजार रुपए सहायता के रूप में महिला सशक्तीकरण के लिए दिया जाएगा।यह योगी का सबसे प्रभावी हथियार माना जा रहा है क्योंकि बिहार मे इस हथियार का उपयोग कर भाजपा सत्ता में वापस आने में सफल रही है। बिहार के चुनाव के पहले राज्य की महिलाओं के खाते में दस हजार डाले गए थे, इसका महिलाओं पर यह असर हुआ कि महिलाओं ने भाजपा पर ज्यादा भरोसा किया। पं.बंगाल में भी भाजपा ने महिलाओं को इसी तरह प्रभावित कर चुनाव में ऐतिहासिक विजय हासिल की है। इससे पहले महाराष्ट्र, मप्र, छत्तीसगढ़ में भाजपा को महिला सशक्तीकरण के नाम पर चुनाव में सफलता मिली है। इसलिए माना जा रहा है कि यूपी में यह फार्मूला जीत को सुनिश्चित करने के लिए उपयोग में लाया जाएगा।

चूंकि योगी सरकार ने महिलाओं को सालाना पचास हजार रुपए देने की घोषणा नहीं की है, जबकि अखिलेश यादव ने साफ घोषणा कर दी है कि उनकी सरकार आई तो महिलाओं का चालीस हजार रुपए सहायता के रूप में दिए जाएंगे।वह जानते हैं कि योगी सरकार इससे ज्यादा की घोषणा कर सकती हैं इसलिए उन्होंने घोषणा के दौरान यह भी कहा है कि यह राशि बाद में बढ़ाई जा सकती है।यानी योगी सरकार जिस दिन घोषणा करेंगी उस दिन अखिलेश यादव भी राशि को बढ़ाने की घोषणा कर योगी सरकार के बराबर रखने का प्रयास तो करेंगे ही। आज चुनावी राजनीति में महिलाओं का महत्व इतना ज्यादा बढ़ा है तो इसका श्रेय पीएम मोदी को जाता है जिन्होंने महिलाओं के वोटों के दम पर तीन बार चुनाव में बड़ी सफलता हासिल की और यह धारणा बनाने में सफल रहे कि चुनावी राजनीति में महिलाएं भी महत्वपूर्ण हैं। यही वजह है राहुल गांधी महिलाओं की आजादी की बात कर रहे हैं तो अखिलेश चालीस हजार देने की बात कर रहे हैं। योगी पचास हजार देने की योजना बना रहे हैं।

# विष्णु देव की सरकार में महिला सशक्तिकरण को नई उड़ान

## महतारी वंदन से आरभ हुआ सफर- ड्रोन दीदी, ई-रिक्शा दीदी और लखपति दीदी बन गढ़ रही आत्मनिर्भरता की राह

*तेजबहादुर सिंह भुवाल, सहायक जनसंपर्क अधिकारी रायपुर*

छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण अब केवल एक नारा नहीं, बल्कि महिलाओं के जीवन में दिखाई देने वाला बदलाव बन रहा है। विष्णु देव साय की सरकार महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा देने के साथ-साथ उन्हें रोजगार, तकनीक, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता से जोड़ने की दिशा में लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त जारी कर प्रदेश की महिलाओं को रक्षाबंधन के पूर्व राखी का विशेष उपहार दिया गया है। यह पहल महिलाओं के लिए आर्थिक संबल के साथ उस विश्वास को भी मजबूत करती है कि परिवार और समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

### महतारी वंदन योजना: आर्थिक संबल का आधार

महतारी वंदन योजना ने प्रदेश की पात्र महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा का एक नया आधार तैयार किया है। नियमित आर्थिक सहायता से महिलाएं अपनी व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के साथ परिवार की आवश्यकताओं में भी योगदान दे पा रही हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर 31वीं किस्त का उपहार महिलाओं के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और महिला सशक्तिकरण के संकल्प को दर्शाता है। आर्थिक सहायता का यह क्रम महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें आर्थिक निर्णयों में अधिक सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

### लखपति दीदी: कमाई के साथ बढ़ता आत्मविश्वास

राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में लखपति दीदी की योजना भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं कृषि, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, छोटे व्यवसाय और अन्य आयमूलक गतिविधियों के माध्यम से अपनी आमदनी बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। जब एक महिला अपने पैरों पर खड़ी होती है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और परिवार के आर्थिक निर्णयों में उसकी भागीदारी भी मजबूत होती है।

### ड्रोन दीदी: आसमान छूते सपने

आज छत्तीसगढ़ की महिलाएं आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में भी कदम बढ़ा रही हैं। ड्रोन दीदी जैसी पहल ग्रामीण महिलाओं को नई तकनीक से जोड़ने और कृषि क्षेत्र में सेवाओं के माध्यम से आय के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण है, जो महिलाएं कभी खेतों में परंपरागत तरीके से काम करती थीं, वे अब तकनीक का प्रशिक्षण लेकर ड्रोन संचालन जैसी आधुनिक गतिविधियों से जुड़ रही हैं। यह बदलाव महिला सशक्तिकरण की बदलती तस्वीर को सामने लाता है। इन महिलाओं के देखकर अन्य महिलाएं भी प्रेरित होकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

### ई-रिक्शा दीदी: रोजगार की नई राह

महिलाओं को पारंपरिक रोजगार से आगे बढ़ाकर नए क्षेत्रों में अवसर देने की दिशा में ई-रिक्शा दीदी जैसी पहल भी उल्लेखनीय है। ई-रिक्शा के माध्यम से महिलाएं परिवहन क्षेत्र में रोजगार का नया अवसर प्राप्त कर सकती हैं और अपनी आय का साधन विकसित कर सकती हैं। यह पहल महिला को केवल रोजगार नहीं देती, बल्कि उसे स्वतंत्रता, आत्मविश्वास और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी देती है।

### स्व-सहायता समूहों से मजबूत हो रही महिलाओं की भागीदारी

महिला सशक्तिकरण की इस यात्रा में स्व-सहायता समूह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। समूहों के माध्यम से महिलाएं बचत, प्रशिक्षण, ऋण, उत्पादन और बाजार से जुड़कर आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ा रही हैं। आज महिला केवल किसी योजना की लाभार्थी नहीं, बल्कि परिवार की अर्थव्यवस्था, गांव की अर्थव्यवस्था और प्रदेश के विकास की सक्रिय भागीदार बनने की ओर बढ़ रही है।

### सहायता से आत्मनिर्भरता तक

विष्णु देव साय सरकार की महिला-केंद्रित पहलों को एक साथ देखें तो इनका उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना दिखाई देता है। महतारी वंदन योजना आर्थिक संबल देती है, ड्रोन दीदी तकनीक से जोड़ती है, लखपति दीदी आय बढ़ाने का अवसर देती है, और ई-रिक्शा दीदी रोजगार की नई राह खोलती है।

इन पहलों से महिला सशक्तिकरण का एक व्यापक स्वरूप सामने आता हैकृजहां महिला सहायता प्राप्त करने वाली नहीं, बल्कि अपने परिवार और समाज के विकास की नेतृत्वकर्ता बन रही है। रक्षाबंधन के अवसर पर महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त का उपहार इसी विश्वास को और मजबूत करता है कि प्रदेश की आधी आबादी को मजबूत किए बिना छत्तीसगढ़ के समग्र विकास की कल्पना पूरी नहीं हो सकती। महिला मजबूत होगी, परिवार मजबूत होगा। परिवार मजबूत होगा, तो छत्तीसगढ़ और मजबूत होगा।

### महतारी सदन: गांवों में महिलाओं के लिए सशक्त मंच

प्रदेश में महिला सशक्तिकरण को गांव-गांव तक पहुंचाने की दिशा में महतारी सदन एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को एक ऐसा स्थान उपलब्ध कराना है, जहां वे एकजुट होकर अपने सामाजिक, आर्थिक और सामुदायिक विकास से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ा सकें। महतारी सदन महिलाओं के लिए केवल एक भवन नहीं, बल्कि संगठन, संवाद, प्रशिक्षण और आत्मनिर्भरता का केंद्र बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यहां महिलाएं स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों, प्रशिक्षण, आजीविका और विभिन्न योजनाओं से जुड़ी गतिविधियों को बेहतर तरीके से संचालित कर सकती हैं। इससे गांव की महिलाओं को अपने मुद्दों पर चर्चा करने, सामूहिक निर्णय लेने और आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए एक मजबूत मंच मिलता है।

महतारी सदन में हॉल, किचन, स्टोर, कार्यालय कक्ष तथा दुकान संचालन के लिए पृथक स्थान सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। इस सदन में महिलाओं के प्रशिक्षण, बैठकों, उत्पादन, विपणन एवं विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के संचालन के लिए एक स्थायी और सुसज्जित स्थल के रूप में उपयोगी साबित होगा। महतारी सदन गांव की माताओं-बहनों के लिए केवल एक भवन नहीं, बल्कि उनके सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और आर्थिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र होगा। इसके माध्यम से महिलाओं को अपनी बैठकों, प्रशिक्षण, स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों तथा विभिन्न आर्थिक कार्यों के संचालन के लिए स्थायी, सुविधाजनक और बेहतर स्थान उपलब्ध हो रहा है। राज्य सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। पिछले ढाई वर्षों में प्रदेश में 481 महतारी सदनों की स्वीकृति दी गई है।

यही है विष्णु देव साय की सरकार में महिला सशक्तिकरण की नई तस्वीर-सुरक्षा से सम्मान, सहायता से स्वावलंबन और स्वावलंबन से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़।

# सवाल पहनावे का नहीं, पर्व की गरिमा का है

*महेन्द्र तिवारी*

**रक्षाबंधन हर वर्ष केवल एक त्योहार बनकर नहीं आता, बल्कि भारतीय समाज को रिश्तों, विश्वास और सांस्कृतिक मूल्यों की याद दिलाता है। यह वह अवसर है जब एक साधारण सा रक्षा सूत्र भाई और बहन के बीच स्नेह, सुरक्षा और आजीवन साथ निभाने के वचन का प्रतीक बन जाता है। ऐसे त्योहारों का महत्व केवल धार्मिक या पारिवारिक नहीं होता, बल्कि वे समाज की सांस्कृतिक स्मृति का भी हिस्सा होते हैं। इसी कारण जब किसी बड़े ब्रांड का रक्षाबंधन विज्ञापन चर्चा में आता है, तो उसकी प्रतिक्रिया केवल एक प्रचार अभियान तक सीमित नहीं रहती। इस बार अभिनेत्री कृति सैनन और एक आभूषण ब्रांड के विज्ञापन ने पूरे देश में एक ऐसी बहस को जन्म दिया है जिसमें महिला की स्वतंत्रता, रचनात्मक अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक संवेदनशीलता तीनों आमने-सामने दिखाई देते हैं।**

विज्ञापन में कृति सैनन आधुनिक शैली के परिधान में अपने भाई को राखी बांधती दिखाई देती हैं। इसके बाद वह अपने पालतू कुत्ते को भी राखी बांधती हैं और उसे परिवार का हिस्सा मानने का संदेश देती हैं। यही दृश्य और यही प्रस्तुति सामाजिक माध्यमों पर विवाद का कारण बनी। कुछ लोगों ने इसे आधुनिक परिवार की नई परिभाषा और रचनात्मक सोच बताया, जबकि अनेक लोगों ने कहा कि रक्षाबंधन जैसे पारंपरिक पर्व को इस तरह प्रस्तुत करना उसकी मूल भावना से मेल नहीं खाता। बढ़ते विरोध के बाद ब्रांड ने सार्वजनिक रूप से कहा कि उसका उद्देश्य किसी की भावनाओं को आहत करना नहीं था और उसने सम्मानपूर्वक विज्ञापन वापस लेने का निर्णय लिया।

इस पूरे विवाद में सबसे पहली आवश्यकता तथ्यों और भावनाओं को अलग-अलग समझने की है। दुर्भाग्य से सामाजिक माध्यमों पर अक्सर बहस व्यक्ति पर केंद्रित हो जाती है, जबकि असली प्रश्न विचार और प्रस्तुति का होता है। किसी महिला ने क्या पहना, यह उसके व्यक्तिगत अधिकार का विषय है। लेकिन किसी व्यावसायिक विज्ञापन में किसी सांस्कृतिक पर्व को किस रूप में प्रस्तुत किया गया, यह सार्वजनिक विमर्श का विषय बन सकता है। इन दोनों बातों को एक ही तराजू पर तौलना न तो न्यायसंगत है और न ही लोकतांत्रिक।

कृति सैनन ने भी आलोचनाओं का उत्तर देते हुए कहा कि संस्कृति और परंपराएं किसी महिला के गले के वस्त्र में नहीं, बल्कि उसके हृदय में होती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनके परिवार में बहनें भी एक दूसरे को राखी बांधती हैं और उनके लिए पालतू पशु भी परिवार का हिस्सा हैं। उनका तर्क व्यक्तिगत अनुभव और आधुनिक पारिवारिक जीवन पर आधारित था। यह दृष्टिकोण अनेक लोगों को स्वीकार्य लगा और उन्होंने इसे महिला की स्वतंत्रता तथा बदलते सामाजिक संबंधों की अभिव्यक्ति माना।

लेकिन यहीं से दूसरा पक्ष भी उतनी ही मजबूती से सामने आता है। व्यक्तिगत जीवन में किसी परंपरा को अपने तरीके से निभाना और करोड़ों लोगों तक पहुंचने वाले विज्ञापन में उसकी सार्वजनिक प्रस्तुति करना दो अलग परिस्थितियां हैं। एक व्यक्ति अपने घर में अपने रीति रिवाज बना सकता है, लेकिन जब कोई ब्रांड किसी त्योहार का उपयोग अपने उत्पाद के प्रचार के लिए करता है, तब उसकी जिम्मेदारी केवल रचनात्मक होने की नहीं, बल्कि सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील होने की भी होती है। यही वह बिंदु है जिसे समझे बिना बहस अधूरी रह जाती है।

भारत जैसे विविधतापूर्ण वाले देश में त्योहार केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं होते। वे स्मृतियों, परिवारों, लोक परंपराओं और भावनात्मक अनुभवों का साझा उत्सव होते हैं। रक्षाबंधन में राखी, तिलक, आरती, मिठाई और परिवार के साथ बैठकर हंसी खुशी के क्षण केवल दृश्य नहीं हैं, बल्कि पीढ़ियों से चले आ रहे सांस्कृतिक प्रतीक हैं। जब कोई विज्ञापन इन प्रतीकों को बदलता है या न अर्थ देता है, तब स्वाभाविक रूप से दर्शक प्रश्न पूछते हैं। प्रश्न पूछना असहिष्णुता नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक भागीदारी का एक स्वस्थ रूप भी हो सकता है।

समस्या तब पैदा होती है जब हर आलोचना को तुरंत महिला विरोधी मानसिकता घोषित कर दिया जाता है। निश्चित रूप से किसी महिला के पहनावे पर अपमानजनक टिप्पणी करना गलत है। किसी अभिनेत्री के चरित्र, संस्कार या सम्मान को उसके वस्त्रों से जोड़ना भी अनुचित है। लेकिन यदि कोई नागरिक यह पूछता है कि रक्षाबंधन जैसे पर्व की प्रस्तुति इस रूप में क्यों की गई, तो उसे भी अपनी बात रखने का लोकतांत्रिक अधिकार है। आलोचना और अपमान के बीच का अंतर समझना आज पहले से अधिक आवश्यक हो गया है।

दूसरी ओर, यह भी उतना ही जरूरी है कि परंपरा के नाम पर महिलाओं की स्वतंत्रता को सीमित करने की कोशिश न हो। भारतीय संस्कृति स्वयं समय के साथ बदलती रही है। वस्त्रों की शैली, पारिवारिक भूमिकाएं, सामाजिक संबंध और जीवन शैली निरंतर विकसित हुए हैं। इसलिए यह मान लेना कि केवल एक विशेष प्रकार का परिधान ही संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है, ऐतिहासिक रूप से भी सही नहीं है। संस्कृति का सार मूल्य होते हैं, केवल बाहरी रूप नहीं।

विज्ञापन उद्योग की भूमिका यहां विशेष महत्व रखती है। आज त्योहार केवल धार्मिक आयोजन नहीं रहे, बल्कि बड़े व्यावसायिक अवसर भी बन चुके हैं। दीपावली से लेकर होली और रक्षाबंधन तक हर पर्व के साथ विशाल विपणन अभियान जुड़े होते हैं। कंपनियां भावनाओं को कहानी में बदलकर अपने उत्पाद बेचती हैं। यही कारण है कि उनसे अपेक्षा भी अधिक होती है। यदि कोई ब्रांड त्योहार की संवेदनशीलता को समझे बिना केवल चर्चा बटोरने के लिए अलग और चौंकाने वाली प्रस्तुति चुनता है, तो उसे सार्वजनिक प्रतिक्रिया के लिए भी तैयार रहना चाहिए। रचनात्मक स्वतंत्रता जिम्मेदारी से अलग नहीं हो सकती।

इस विवाद ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। क्या हमारी सांस्कृतिक संवेदनशीलता सभी धर्मों और परंपराओं के लिए समान है? यदि किसी दूसरे धर्म के पवित्र अवसर, धार्मिक प्रतीक या परंपरा को भी इसी प्रकार व्यावसायिक फैशन या विवादास्पद रचनात्मक अवधारणा के रूप में प्रस्तुत किया जाता, तो क्या वही ब्रांड और मनोरंजन उद्योग उतनी ही सहजता से उसे स्वीकार करते? यह प्रश्न किसी एक धर्म को श्रेष्ठ या पीड़ित सिद्ध करने के लिए नहीं, बल्कि समान मानदंड की मांग के लिए है।

उतनी ही ईमानदारी से यह भी स्वीकार करना चाहिए कि बिना प्रमाण के यह कहना कि केवल हिंदू त्योहारों का ही उपहास किया जाता है, उचित नहीं है। किसी भी गंभीर सामाजिक बहस की नींव तथ्यों पर होनी चाहिए, धारणाओं पर नहीं। यदि हम समानता की बात करते हैं तो समान प्रमाण और समान संवेदनशीलता दोनों आवश्यक हैं। चयनात्मक आक्रोश समाज को समाधान नहीं देता, बल्कि विभाजन को गहरा करता है।

सामाजिक माध्यमों ने आज हर व्यक्ति को अपनी बात कहने का मंच दिया है, लेकिन उन्होंने धैर्य और संतुलन की परीक्षा भी कठिन कर दी है। किसी विज्ञापन के आते ही लोग दो शिविरों में बंट जाते हैं। एक पक्ष हर आलोचना को पिछड़ी सोच कहता है, दूसरा हर आधुनिक प्रयोग को संस्कृति विरोधी घोषित कर देता है। जबकि सच्चाई इन दोनों अतियों के बीच कहीं मौजूद होती है। समाज को ऐसे संवाद की आवश्यकता है जिसमें असहमति हो सकती है, लेकिन सम्मान बना रहे।

रक्षाबंधन का मूल संदेश भी यही है कि संबंध अधिकार से नहीं, विश्वास से मजबूत होते हैं। यदि हम इस पर्व की आत्मा को समझें तो पाएंगे कि इसका सबसे बड़ा मूल्य परस्पर सम्मान है। वही सम्मान महिलाओं की स्वतंत्रता के लिए भी होना चाहिए और वही सम्मान सांस्कृतिक परंपराओं के लिए भी। किसी एक की रक्षा करते हुए दूसरे का अपमान करना संतुलित समाज की पहचान नहीं हो सकता।

इसलिए इस पूरे विवाद का निष्कर्ष व्यक्ति विशेष के पक्ष या विपक्ष में खड़ा होना नहीं है। प्रश्न यह नहीं कि कृति सैनन ने क्या पहना। प्रश्न यह भी नहीं कि आधुनिक परिवार में पालतू पशु को परिवार का सदस्य माना जाए या नहीं। वास्तविक प्रश्न यह है कि जब कोई ब्रांड करोड़ों लोगों की सांस्कृतिक भावनाओं से जुड़े पर्व को अपने प्रचार का माध्यम बनाता है, तब क्या वह पर्याप्त संवेदनशीलता, संदर्भ और सम्मान के साथ ऐसा करता है।

आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों से दूरी बनाना नहीं है और परंपरा का अर्थ परिवर्तन से भय खाना भी नहीं है। एक स्वस्थ समाज वही है जो महिलाओं की स्वतंत्रता की रक्षा करे, रचनात्मक अभिव्यक्ति का सम्मान करे और साथ ही अपनी सांस्कृतिक विरासत को भी गरिमा के साथ प्रस्तुत करने की अपेक्षा रखे। रक्षाबंधन की इस बहस ने हमें यही अवसर दिया है कि हम व्यक्ति पर नहीं, विचार पर चर्चा करें और स्वतंत्रता तथा संवेदनशीलता के बीच एक न्यायपूर्ण संतुलन खोजें।

# डिजिटल क्रांति की ओर अग्रसर नारायणपुर का कृषि क्षेत्र

## 176 गांवों में 55 हजार से अधिक खसरों का हो रहा डिजिटल क्रॉप सर्वे

*विष्णु प्रसाद वर्मा, सहायक संचालक*
*संत कच्छप, सहायक संचालक, रायपुर*

छत्तीसगढ़ राज्य में कृषि भूमि और फसलों का सटीक डेटा जुटाने के लिए डिजिटल क्रॉप सर्वे (DCS) अभियान की शुरूआत केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा एग्री स्टैक योजना के तहत की गई है। मोबाइल ऐप और सैटेलाइट इमेजरी का उपयोग किया जाता है, जिसके तहत सर्वेक्षक खेत में जाकर फसल की फोटो ऐप पर अपलोड करते हैं। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में कृषि और राजस्व व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सटीक और आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। जिले में पारंपरिक मैन्युअल गिरदावरी व्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए डिजिटल क्रॉप सर्वे (DCS) अभियान की शुरूआत की गई है। 17 अगस्त 2026 से शुरू हुए इस महत्वाकांक्षी अभियान के तहत जिले के 176 ग्रामों के कुल 55 हजार 638 खसरों-प्लॉटों का सर्वे पूरी तरह डिजिटल माध्यम से किया जा रहा है।

### ग्राउंड जीरो पर प्रशासनिक मुस्तैदी

कलेक्टर के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे इस अभियान को समय-सीमा के भीतर और त्रुटिहीन तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासनिक अमला पूरी तरह से मैदान में डटा हुआ है। इसी कड़ी में अपर कलेक्टर और भू-अभिलेख के प्रभारी अधिकारी ने मैदानी स्तर पर पहुंचकर जारी सर्वे कार्य का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सीधे सर्वेयरों और सुपरवाइजरों से बातचीत कर कार्य की प्रगति की समीक्षा की। मौके पर आ रही व्यावहारिक और तकनीकी समस्याओं को समझकर उनके त्वरित समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि सर्वे की गति में कोई बाधा न आए।

### समय-सीमा और वर्तमान प्रगति

30 सितंबर 2026 तक पूरे जिले में डिजिटल क्रॉप सर्वे को पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। शुरूआती दिनों में ही अभियान ने अच्छी गति पकड़ ली है। अब तक लगभग 8 हजार खसरों का डिजिटल सर्वे सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है।

### तगड़ी मैदानी व्यवस्था और निगरानी

सर्वे कार्य को समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के लिए जिले में एक व्यापक ढांचा तैयार किया गया है। जमीनी स्तर पर खसरों के सटीक आंकड़ों का 160 सर्वेयर डिजिटल इंद्राज कर रहे हैं। सर्वेयरों के कार्यों का सत्यापन और गुणवत्ता नियंत्रण 29 सुपरवाइजर सुनिश्चित कर रहे हैं। राजस्व एवं कृषि विभाग के 21 विशेष अधिकारियों को निगरानी और नियमित निरीक्षण का जिम्मा सौंपा गया है।

### डिजिटल सर्वे से बदलेगी तस्वीर

डिजिटल क्रॉप सर्वे से न केवल फसलों का सटीक और वास्तविक डेटा प्राप्त होगा, बल्कि इससे किसानों को शासन की योजनाओं, फसल बीमा, राहत राशि और न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) का लाभ बिना किसी अड़चन के पारदर्शी तरीके से मिल सकेगा।अधिकारियों के कड़े रुख और मैदानी अमले की सक्रियता से यह स्पष्ट है कि नारायणपुर जिला निर्धारित 30 सितंबर की समय-सीमा से पहले अपने शत-प्रतिशत डिजिटल क्रॉप सर्वे के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

# रक्षाबंधन पर पंचक और भद्रा का साया?

इस साल रक्षाबंधन के पर्व 28 अगस्त को मनाया जाएगा। हर साल रक्षाबंधन पर राखी बांधने के लिए भद्रा का विचार किया जाता है। भद्रा रहित काल में ही बहने अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं लेकिन, क्या आप जानते हैं इस साल रक्षाबंधन पर पंचक का साया है।

पंचक 27 अगस्त को ही दोपहर 1 बजकर 36 मिनट पर लग जाएगा। 28 तारीख को रक्षाबंधन है और पंचक पूरे पांच दिन रहता है। पंचक 1 सितंबर को सुबह 3 बजकर 24 मिनट पर समाप्त होगा। 27 अगस्त को भद्रा पूर्णिमा तिथि आरंभ होने के साथ ही लग जाएगी। रात में 9 बजकर 29 मिनट तक भद्राकाल रहेगा। इसलिए रक्षाबंधन 27 की बजाय 28 अगस्त को मनाया जाएगा। 28 को सूर्योदय के साथ पूर्णिमा तिथि 9 बजकर 49 मिनट तक ही है जो भद्रा मुक्त है।

## पंचक में राखी बांधना शुभ या अशुभ

पंचक में कोई भी शुभ कार्य आदि नहीं किया जाता है लेकिन, इस समय पूजा पाठ और धार्मिक कार्य आदि करने की कोई मनाही नहीं होती है। पंचक में पूजा पाठ, जप-तप आदि सभी कार्य किए जाते हैं। इस बार पंचक का आरंभ गुरुवार से हो रहा है। गुरुवार से जो पंचक आरंभ होता है उसे सामान्य माना जाता है। इसमें शुभ काम किए जा सकते हैं इसका प्रतिकूल प्रभाव नहीं होता। रक्षाबंधन के दिन शतभिषा नक्षत्र रहेगा। इसलिए इस दिन राखी बांधने को कोई दोष नहीं लगेगा। रक्षाबंधन शतभिषा नक्षत्र में होगा। इसलिए आप बेफिक्र होकर राखी बांध सकते हैं।

## रक्षाबंधन पर ग्रहण

इस साल का अंतिम चंद्रग्रहण 28 अगस्त को लगने जा रहा है। यह इस साल का अंतिम चंद्रग्रहण होगा । तो ऐसे में सवाल यह है क्यों चंद्रग्रहण के दिन आप राखी बांध सकते हैं क्योंकि, चंद्रग्रहण का सूतक काल ग्रहण आरंभ होने से 9 घंटे पहले लग जाता है। लेकिन, यह चंद्रग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा इसलिए इसका सूतक भी मान्य नहीं होगा। इसलिए रक्षाबंधन का पर्व आप बिना किसी के चिंता का मना सकते हैं।

## राखी बांधने का शुभ मुहूर्त और चंद्र ग्रहण का सच

28 अगस्त 2026 को रक्षाबंधन पर चंद्र ग्रहण का साया जरूर है, लेकिन भारत में यह दिखाई नहीं देगा। शास्त्रों के अनुसार, जहां ग्रहण दिखाई न दे, वहां सूतक काल मान्य नहीं होता। इसलिए भारत में ग्रहण का कोई अशुभ प्रभाव नहीं पड़ेगा और बहनें बिना किसी संशय के पूरे दिन रक्षासूत्र बांध सकती हैं। इस दिन भद्रा काल भी नहीं रहेगा इसलिए निश्चिंत हो जाएं।

**पूर्णिमा तिथि:** 27 अगस्त सुबह 9:08 बजे से 28 अगस्त सुबह 9:48 बजे तक। (उदयातिथि के अनुसार त्योहार 28 अगस्त को ही मनेगा)।

**सबसे शुभ समय:** सुबह 06:23 बजे से सुबह 09:48 बजे तक।

**अन्य शुभ मुहूर्त :** अभिजीत (दोपहर 12:14 से 01:05) और गोधूलि (शाम 06:57 से 07:19)।

**चौघड़िया मुहूर्त :** लाभ (सुबह 07:57 से 09:31), अमृत (सुबह 09:31 से 11:05), शुभ (दोपहर 12:40 से 02:14), चर (शाम 05:22 से 06:57) और लाभ (रात 09:48 से 11:14)।

# कैसे शुरू हुई राखी बांधने के परंपरा और क्या है नियम

देशभर में 28 अगस्त को रक्षा बंधन का पर्व मनाया जाएगा और इस दिन बहनें भाइयों के हाथ पर राखी बांधती हैं और ऊज्जवल भविष्य की कामना करती हैं। वहीं भाई बहनों को रक्षा करने का वचन और गिफ्ट देते हैं।

28 अगस्त को रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार है। यह पर्व हर वर्ष श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। रक्षाबंधन के त्योहार को भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और सदभाव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और भाई की आरती उतारते हुए जीवन में सुख-समृद्धि और लंबी आयु की मंगल कामना करती हैं, जिसके बदले में भाई अपनी बहन को भेंट देता है और आजीवन उसकी रक्षा का वचन भी देता है। शास्त्रों में रक्षाबंधन पर अच्छे मुहूर्त और भद्रारहित काल में भाई की कलाई में रक्षासूत्र बांधना शुभ होता है। रक्षाबंधन का पावन पर्व इस बार पूर्ण शुभता और विशेष संयोगों के साथ 28 अगस्त को मनाया जाएगा।

## राखी बांधने की विधि

भाई की सुख-समृद्धि और जीवन की मंगलकामना के लिए हर वर्ष बहनें श्रावण माह की पूर्णिमा तिथि पर रक्षा बंधन का त्योहार मनाती है। रक्षाबंधन के दिन बहनें सुबह से ही तैयारी में लग जाती हैं। रक्षाबंधन के दिन रंगोली से घर को सजाएं। पूजा के लिए एक थाली में स्वास्तिक बनाकर उसमें चंदन, रोली, अक्षत, राखी, मिठाई, और फूल के साथ एक घी का दीया रखें। दीपक प्रज्वलित कर सबसे पहले अपने ईष्टदेव को तिलक लगाकर राखी बांधें और आरती उतारकर मिठाई का भोग लगाएं। फिर भाई को पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठाएं। इसके बाद उनके सिर पर रुमाल या कोई वस्त्र रखें। अब भाई के माथे पर रोली-चंदन और अक्षत का तिलक लगाकर उसके हाथ में नारियल दें। इसके बाद  येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबल- तेन त्वाम् प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचल- इस मंत्र को बोलते हुए भाई की दाहिनी कलाई पर राखी बांधें। भाई की आरती उतारकर मिठाई खिलाएं और उनके उत्तम स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य के लिए भगवान से प्रार्थना करें।

## ऐसे शुरू हुई राखी बांधने की परंपरा

पौराणिक कथा के अनुसार जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार के रूप में राक्षस राज बलि से तीन पग में उनका सारा राज्य मांग लिया था और उन्हें पाताल लोक में निवास करने को कहा था। तब राजा बलि ने भगवान विष्णु को अपने मेहमान के रूप में पाताल लोक चलने को कहा। जिसे विष्णुजी मना नहीं कर सके। लेकिन जब लंबे समय तक श्री हरि अपने धाम नहीं लौटे तो लक्ष्मीजी को चिंता होने लगी। तब नारद मुनि ने उन्हें राजा बलि को अपना भाई बनाने की सलाह दी। अपने पति को वापस लाने के लिए माता लक्ष्मी गरीब स्त्री का रूप धारण कर राजा बलि के पास पहुंच गईं और उन्हें अपना भाई बनाकर राखी बांध दी। इसके बदले उन्होंने भगवान विष्णु को पाताल लोक से ले जाने का वचन मांग लिया। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा थी और माना जाता है कि तभी से रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाने लगा है।

# राखी बांधते वक्त इस दिशा में मुंह करके बैठें और यह मंत्र बोलें

**श्रावण माह की पूर्णिमा को रक्षा बंधन का त्योहार मनाया जाता है। आओ जानते हैं कि राखी बांधते वक्त किस दिशा में मुंह करके बैठना चाहिए और कौनसा मंत्र बोलना जरूरी है।**

## राखी बांधते वक्त इस दिशा में रखें मुख

- यदि बहन अपने भाई को राखी बांध रही है तो बहन को पश्चिम में मुख करके भाई के ललाट पर रोली, चंदन व अक्षत का तिलक लगाते हुए उपरोक्ति मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।
- भाई को पूर्वाभिमुख, पूर्व दिशा की ओर बिठाएं। बहन का मुंह पश्चिम दिशा की ओर होना चाहिए।
- उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उनका मुख कभी भी दक्षिण दिशा की ओर न हो।
- **सिर ढकना** - अनुष्ठान करते समय भाई को अपना सिर रूमाल से ढकने की सलाह दी जाती है।

## कौन सा मंत्र बोलते हुए बांधें राखी

येन बद्धो बली राजा
दानवेन्द्रो महाबल-।
तेन त्वां अभिबन्धामि रक्षे
मा चल मा चल।।

**अर्थ**- इस मन्त्र का अर्थ है कि जो रक्षा धागा परम कृपालु राजा बलि को बाँधा गया था, वही पवित्र धागा मैं तुम्हारी कलाई पर बाँधता हूँ, जो तुम्हें सदा के लिए विपत्तियों से बचाएगा।

शास्त्रों के अनुसार रक्षा सूत्र बांधे जाते समय उपरोक्त मंत्र का जाप करने से अधिक फल मिलता है। इसके बाद भाई के माथे पर टीका लगाकर दाहिने हाथ पर रक्षा सूत्र बांधे। रक्षा सूत्र बांधते समय उपरोक्त मंत्र का उच्चारण करें।

यदि आप शिष्य या शिष्या अपने किसी गुरु को बांध रहे हैं रक्षा सूत्र तो उपरोक्त मंत्र है। ध्यान से देखने पर दोनों मंत्रों में अंतर नजर आएगा।

## राखी खोलने के नियम

कभी भी तुरंत या फिर रक्षाबंधन के कुछ दिन बाद ही राखी नहीं खोलनी चाहिए। राखी को कम-से-कम जन्माष्टमी तक बांधकर रखना चाहिए। राखी को उतारकर कभी भी इधर-उधर नहीं फेंकना चाहिए। आप इसे किसी बहते जल स्रोत में विसर्जित कर सकते हैं या फिर किसी पेड़-पौधे में रख सकते हैं।

# भाई-बहन के रिश्ते की पवित्रता को दर्शाता है रक्षाबंधन

**सावन माह की पूर्णिमा तिथि पर रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाता है। ऐसे में रक्षाबंधन 28 अगस्त को मनाया जाएगा। भाई-बहन के प्रेम वाले इस त्योहार में कई तरह के नियमों का ध्यान रखा जाना भी जरूरी है। इससे व्यक्ति को जीवन में अच्छे परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं राखी से जुड़े कुछ नियम।**

रक्षाबंधन हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक माना जाता है। इस विशेष दिन पर बहनें मंगल कामना के साथ अपनी भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं। राखी बांधने के साथ-साथ राखी को उतारने के भी कई नियम हैं, जिनका ध्यान रखने पर व्यक्ति को जीवन में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि राखी कब और कैसे उतारनी चाहिए। रक्षा बंधन पर राखी बांधने का सबसे सही समय अपराह्न के दौरान माना जाता है।

## क्यों खास है यह पर्व

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार राजा बली ने भगवान विष्णु से यह वचन लिया कि वह उनके साथ पाताल लोक में रहें। लेकिन इसके कारण माता लक्ष्मी परेशान हो गईं। उन्होंने एक गरीब महिला का रूप धारण किया और राजा बलि के पास पहुंचकर उन्हें राखी बांधी। राखी के बदले राजा ने कुछ भी मांग लेने को कहा। इसपर माता लक्ष्मी अपने असली रूप में प्रकट हुईं और उन्होंने भगवान विष्णु को पुनः अपने धाम लौटाने का वचन मांगा। राखी का मान रखते हुए राजा ने भगवान विष्णु को मां लक्ष्मी के साथ वापस उनके धाम भेज दिया।

# रक्षाबंधन के दिन राखी बांधते समय कितनी गांठ लगानी चाहिए?

रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है जिसमें बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उसकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि की कामना करती है और भाई अपनी बहन की रक्षा का वचन देता है। इस पर्व से जुड़ी हर छोटी से छोटी बात का अपना धार्मिक एवं ज्योतिष महत्व है। इसी कड़ी में हम ज्योतिषाचार्य से जानेंगे कि जब बहन भाई को रक्षा बंधन के दिन राखी बांधती है तो कितनी गांठें धागे में लगानी चाहिए। आइये जानते हैं इस बारे में विस्तार से और साथ ही, जानेंगे इसके पीछे का तर्क।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, रक्षाबंधन पर राखी बांधते समय तीन गांठें लगाना अत्यंत शुभ माना जाता है। इन तीन गांठों का संबंध त्रिदेव यानी कि ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान शिव से है। इन गांठों का अपना विशेष अर्थ और महत्व है जो भाई-बहन के रिश्ते को और भी मजबूत बनाता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, रक्षा बंधन पर बांधी जाने वाली राखी की **पहली गांठ** भाई की सुरक्षा और लंबी आयु के लिए बांधी जाती है। बहन भगवान से अपने भाई को सभी संकटों से बचाने, उसे स्वस्थ रखने, भाई को दीर्घायु बनाने और भाई की समृद्धि एवं खुशहाली बनाए रखने का प्रतीक है।

रक्षा बंधन पर बांधी जाने वाली राखी की **दूसरी गांठ** स्वयं बहन की लंबी उम्र और भाई-बहन के रिश्ते में प्यार, मिठास और आपसी समझ बढ़ाने के लिए लगाई जाती है। यह गांठ यह भी दर्शाती है कि भाई-बहन का रिश्ता हमेशा मजबूत रहे और उनमें सद्भाव हो। वे हमेशा एक दूसरे का साथ दें।

रक्षा बंधन पर बांधी जाने वाली राखी की **तीसरी गांठ** भाई और बहन दोनों की अपने-अपने धर्म और कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह गांठ इस बात पर जोर देती है कि भाई अपनी बहन की रक्षा का वचन निभाए और बहन भी अपने भाई के प्रति अपने स्नेह और कर्तव्य का पालन करें।

रक्षा बंधन के दिन एक बात का ओर ध्यान रखें कि बहन जब भाई को राखी बांधे तो राखी को पहले गंगाजल से शुद्ध कर ले और फिर ही राखी बांधें, नहीं तो इससे दोष उत्पन्न होता है और भाई पर संकट आ सकता है। इसके अलावा, ग्रहों का दुष्प्रभाव भी पड़ सकता है और अशुभ परिणाम मिल सकते हैं।

## नई नवेली में यामी के किरदार पर आदित्य धर ने ली चुटकी

**यामी गौतम की 'नई नवेली' फिल्म का बीते दिन एलान किया गया। इस फिल्म की पहली झलक के साथ रिलीज डेट का भी खुलासा किया गया। यामी गौतम मेरठ के एक परिवार की आदर्श बहू की भूमिका में नजर आएंगी। मगर, बाद में हकीकत पता चलेगी कि वह बहू कोई 'डायन' है। अभिनेत्री के किरदार को लेकर उनके पति और मशहूर निर्देशक आदित्य धर ने रिएक्शन दिया है।**

### आदित्य धर ने क्या कहा

फिल्म 'नई नवेली' में यामी गौतम की भूमिका पर आदित्य धर ने मजेदार टिप्पणी की है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर यामी की फिल्म का लुक साझा किया है। इसेक साथ लिखा है, 'तो मैंने इसने ही शादी की है'।

### यामी गौतम ने भी ली चुटकी

आदित्य धर के ऐसे रिएक्शन पर यामी गौतम ने भी चुटकी ली है। उन्होंने पति को चिढ़ाते हुए मजाकिया अंदाज में कमेंट लिखा है, 'हाहाहा...राइटर साहब...आप फिल्मों में ट्राई क्यों नहीं करते। इंतजार कीजिए 16 अक्तूबर का'। बता दें कि यामी गौतम की यह फिल्म इस साल दशहरा के मौके पर धमाका करेगी।

### क्या होगी फिल्म की कहानी

इस फिल्म को आनंद एल. राय और हिमांशु शर्मा प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं, निर्देशन की कमान बालाजी मोहन ने संभाली है। फिल्म की कहानी मेरठ के एक घर में आई बहू पर आधारित है, जिसके डायन होने का शक होता है। मेरठ के एक अस्त-व्यस्त घर में एक आदर्श दुल्हन आती है। उसे स्वर्ग जैसा बना देती है, लेकिन तभी उसके देवर को शक होने लगता है कि उसकी आदर्श दिखने वाली भाभी असल में एक डायन हो सकती है। 'नई नवेली' फिल्म में जी. वी. प्रकाश कुमार का संगीत है। यह दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में ले जाती है, जहां असाधारण घटनाएं घटती हैं और वह पारिवारिक उथल-पुथल से टकराती हैं। इस कड़ी में कई दिलचस्प और अप्रत्याशित मोड़ आते हैं। फिल्म में हॉरर के साथ-साथ कॉमेडी का भी डोज मिलेगा।

# एक्टिंग के बाद अब म्यूज़िक की दुनिया में शाज़ान पदमसी की एंट्री

मुंबई एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने के बाद अब शाजान पदमसी ने म्यूजिक की दुनिया में भी अपना खूबसूरत कदम रख दिया है। उनका पहला ओरिजिनल सॉन्ग और डेब्यू सिंगल रातां कालियां अब रिलीज हो चुका है। स्क्रीन पर अपनी अलग पहचान बनाने वाली शाजान पदमसी अब अपनी आर्टिस्टिक जर्नी का एक नया रंग दर्शकों के सामने लेकर आई हैं।

रातां कालियां के साथ शाजान ने बतौर सिंगर अपनी शुरुआत की है और इस गाने के जरिए अपनी क्रिएटिविटी का एक बेहद पर्सनल और दिल के करीब वाला पहलू दुनिया के सामने रखा है। माइक्रोफोन के पीछे कदम रखते हुए शाजान के लिए यह एक एक्साइटिंग नए चैप्टर की शुरुआत है। शाजान के लिए रातां कालियां सिर्फ एक डेब्यू सिंगल नहीं है, बल्कि प्यार को समझने और महसूस करने की एक इमोशनल जर्नी है। गाना उस सफर को बयां करता है, जहां प्यार में भरोसा और सहारे की तलाश से शुरू होकर इंसान धीरे धीरे प्यार के असली और गहरे मायने समझता है। गाने की खूबसूरती इसी बात में है कि प्यार किसी खामीपन को भरने का नाम नहीं, बल्कि उस खास कनेक्शन का नाम है जहां आप खुद को पूरी तरह आजाद, सुरक्षित और असली रूप में महसूस कर सकें। अपने म्यूजिकल डेब्यू पर बात करते हुए शाजान पदमसी कहती हैं, म्यूजिक हमेशा से मेरे लिए एक्सप्रेशन का एक बेहद पर्सनल जरिया रहा है, इसलिए रातां कालियां बनाना मेरे लिए बहुत खास है। यह गाना एक बेहद ईमानदार जगह से आया है और यह दिखाता है कि समय के साथ प्यार को लेकर मेरी समझ कैसे बदली है। अब तक मैं ज्यादातर किसी और की कहानियों का हिस्सा रही हूं। लेकिन रातां कालियां अलग है, क्योंकि यह मेरी अपनी कहानी है, जो सीधे दिल से निकली है। पहली बार मैं सिर्फ एक आवाज या परफॉर्मर नहीं हूं, बल्कि अपनी जर्नी की स्क्रिप्ट खुद लिख रही हूं। अपनी जिंदगी, एक्सपीरियंस और दिल की सच्ची बातों को मैंने म्यूजिक में पिरोया है। रातां कालियां के साथ शाजान पदमसी ने अपने क्रिएटिव सफर का एक नया दरवाजा खोला है, जहां उनकी आर्टिस्टिक सेंसिबिलिटी और म्यूजिक के लिए प्यार एक बेहद इंटिमेट, ईमानदार और पर्सनल अंदाज में साथ आते हैं। रातां कालियां अब रिलीज हो चुका है।

## उम्र देखकर भरोसा नहीं, चरित्र के हिसाब से सम्मान दें

'आशिक बनाया आपने' और 'ढोल' जैसी फिल्मों में दिख चुकीं अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने बॉलीवुड में उम्र और वरिष्ठता को लेकर एक बार फिर बेबाक राय रखी है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ इसलिए सम्मान नहीं दिया जाना चाहिए, क्योंकि वह उम्र में बड़ा है या फिल्म इंडस्ट्री में लंबे समय से काम कर रहा है। अपने अनुभवों को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने जिंदगी और करियर से यह सीख ली है कि किसी इंसान की पहचान उसकी उम्र से नहीं, बल्कि उसके चरित्र से होनी चाहिए। सोमवार को तनुश्री दत्ता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने बॉलीवुड में अपने सफर और इस दौरान मिली सीख के बारे में बात की। उन्होंने लिखा, ' 'मुझे भी यही लगा था कि उम्रदराज एक्टर है, कोई काम नहीं दे रहा, मदद कर देती हूं। लेकिन नहीं, बॉलीवुड में 'वेटरन' का मतलब है शातिर-दिमाग, मंझा हुआ खिलाड़ी, जो घाट-घाट का पानी पीकर सारी चालबाजी सीख चुका है, जिसको सारी मीडिया और पब्लिक मैनिपुलेशन आती है।'' तनुश्री ने लिखा, ' 'वे अपनी वरिष्ठता और अनुभव की छवि के पीछे अपनी असलियत छिपा सकते हैं। ऐसे लोगों को मीडिया और जनता की धारणा को अपने पक्ष में करने का तरीका पता होता है।''

तनुश्री ने चेतावनी देते हुए लिखा, ' 'ऐसे इंसान पर सिर्फ उनकी उम्र की वजह से भरोसा न करें। इनमें से कुछ बहुत ही बुरे और नकारात्मक लोग, जिनके युवाओं के प्रति बहुत ही बुरे और घटिया इरादे हैं, वेटरन की कैटेगरी में हैं। वे युवा और विशेषाधिकार प्राप्त लोगों से नफरत करते हैं और उन्हें बर्बाद करने के लिए कुछ भी करेंगे। बॉलीवुड ने इस घटना को बार-बार देखा है।'' तनुश्री ने पोस्ट में लिखा, ' 'किसी इंसान को उसकी उम्र, शक्ल या बैकग्राउंड देखकर अच्छा या बुरा नहीं मानना चाहिए। असली पहचान उसके भीतर के स्वभाव और उसके कर्मों से होती है। यह दुनिया हम जैसे लोगों ने बनाई है और उन लोगों द्वारा नष्ट की जाती है, जो शालीनता का मुखौटा पहनते हैं।'' इसके बाद तनुश्री ने लिखा, ' 'आत्माओं और दिव्यता को पहचानें। अगर सिर्फ उम्रदराज या अनुभवी होना ही किसी को सम्मान के लायक बनाता है, तो फिर बुराई करने वाले राक्षसों को भी 'वेटरन' कहा जा सकता है।'' आखिर में तनुश्री ने अपने पूरे अनुभव के बारे में बताते हुए लिखा, ' 'मैंने एक बहुत बड़ी सीख ली है।

## बॉबी देओल ने शुरू की 'आश्रम 4' की शूटिंग

अभिनेता बॉबी देओल ने मशहूर वेब सीरीज 'आश्रम' के सीजन-4 की शूटिंग शुरू कर दी है। शनिवार को मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की पुष्टि की। मेकर्स प्रकाश झा प्रोडक्शंस ने इंस्टाग्राम पर एक क्लैपबोर्ड की तस्वीर पोस्ट की, जिस पर आश्रम लिखा हुआ है। इसमें पूजा की जगह पर रखा एक क्लैपरबोर्ड दिख रहा है, जिस पर 'आश्रम 4' लिखा हुआ है। मेकर्स ने पोस्ट कर लिखा, 'एक और आरंभ... आश्रम के नए अध्याय में आपका स्वागत है। जपनाम... 'आश्रम 4' की शूटिंग शुरू।' जैसे ही पोस्ट सामने आया, फैंस और इंडस्ट्री के तमाम लोगों ने अपनी खुशी जाहिर की। बॉबी इस शो के नए सीजन में एक बार फिर 'बाबा निराला' के किरदार में नजर आएंगे। 'आश्रम' के सीजन- 4 में अदिति पोहनकर पम्मी और चंदन रॉय सान्याल भोपा स्वामी के किरदार में नजर आएंगे। इसके साथ ही दर्शन कुमार, अनुप्रिया गोयनका, ईशा गुप्ता, अध्ययन सुमन और त्रिधा चौधरी भी पिछले सीजन्स वाले किरदारों में लौटेंगे। प्रकाश झा के डायरेक्शन में बनी 'आश्रम' बाबा निराला की कहानी दिखाती है, जो खुद को भगवान बताने वाले एक बाबा हैं। वह राजनीति, अपराध और अंधविश्वास का फायदा उठाकर अपना साम्राज्य खड़ा करते हैं। बॉबी देओल अभिनीत लोकप्रिय वेब सीरीज 'आश्रम' के अब तक तीन सीजन रिलीज हो चुके हैं, जिसका निर्देशन प्रकाश झा ने किया है।

## कुब्रा सैत ने शुरू की फर्जी 2 की शूटिंग

मुंबई अभिनेत्री कुब्रा सैत ने अपनी बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज 'फर्जी 2' की शूटिंग शुरू कर दी है। पहले सीजन में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली कुब्रा अब एक बार फिर सायरा के किरदार में वापसी कर रही हैं। इसके मद्देनजर कुब्रा ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर अपनी वैनिटी वैन के बाहर खिंचवाई गई कई तस्वीरें साझा की हैं, जिन पर 'सायरा' और 'फर्जी 2' लिखा हुआ नजर आ रहा है। तस्वीरों के साथ उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा है, 'क्या ये झूठी खबर है ?' लेकिन फिर खुद ही इस खबर की पुष्टि करते हुए लिखा है, 'हाँ यार! 'आखरिकार बेहद उत्साहित हूँ... तो चलिए, 'फर्जी 2' की शुरुआत करते हैं!' कुब्रा ने इस दिलचस्प पोस्ट के साथ कैप्शन में यह भी लिखा है, 'चलिए, अब इस ढेर सारी खुशी की शुरुआत करते हैं!' फिलहाल इस पोस्ट के जरिये शो को लेकर कुब्रा की खुशी और उत्साह, साफ नजर आ रहा है। वैसे कुब्रा इससे पहले भी बता चुकी हैं कि जब उन्हें 'फर्जी' ऑफर हुई थी, तब उन्होंने दोनों सीजन के लिए एक साथ कमिटमेंट किया था। अब उनकी यह पोस्ट उस लंबे इंतजार के खत्म होने और दूसरे सीजन की शुरुआत का संकेत है। राज और डीके द्वारा निर्मित 'फर्जी' में कुब्रा सैत के साथ शाहिद कपूर, विजय सेतुपति, राशि खन्ना, भुवन अरोड़ा, के के मेनन और जाकिर हुसैन अहम भूमिकाओं में नजर आनेवाले हैं। पहले सीजन में कुब्रा ने सायरा का किरदार निभाया था, जो के के मेनन के किरदार मंसूर दलाल से जुड़ी हुई थी। हालांकि दूसरे सीजन में उनके किरदार की कहानी किस दिशा में आगे बढ़ेगी, इसे लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। वर्क फ्रंट की बात करें तो कुब्रा सैत पिछले साल फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के बाद इस साल निर्माता-निर्देशक प्रकाश झा की वेब सीरीज 'संकल्प' में नजर आई थीं, जहां उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों, ने काफी सराहा था। गौरतलब है कि अभिनय के अलावा लेखन, होस्टिंग और हाल ही में स्टैंड-अप कॉमेडी में भी अपनी पहचान बना चुकी कुब्रा सैत, टैलेंट का पावरहाउस बन चुकी हैं।

## कंगना रनौत से जुड़े सवाल पर तापसी पन्नू ने जताई नाराजगी

**तापसी पन्नू की आने वाली फिल्म 'गांधारी' रिलीज से पहले ही लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस फिल्म में तापसी एक ऐसी मां का किरदार निभा रही हैं, जिसकी बेटी किडनैप हो जाती है। बेटी को वापस लाने के लिए वह हर खतरे का सामना करने को तैयार है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान तापसी ने किरदार की तैयारी, आंखों की रोशनी चले जाने के बाद निभाए गए सीन और एक्शन के बारे में खुलकर बात की। इसी दौरान उन्होंने कंगना रनौत के साथ चल रहे विवाद पर भी नाराजगी जाहिर की।**

तापसी ने कहा, 'फिल्म में मेरे किरदार को लेखिका कनिका ढिल्लों ने बहुत बारीकी से लिखा है। किरदार को समझने के लिए मुझे बहुत ज्यादा चीजें खुद से बनाने की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि पूरी भावनाएं पहले से कहानी में साफ थीं। मुझे बस उस किरदार को सही तरीके से पर्दे पर दिखाना था। कहानी के बीच में मेरा किरदार अपनी आंखों की रोशनी खो देता है। ऐसे में किरदार के चलने के तरीके या दूसरे कामों के करने के तरीकों को समझने के लिए मैंने एक खास ट्रेनिंग ली कि बिना देखे किस तरह चलना है, शरीर की हरकत कैसी होनी चाहिए और किसी चीज को महसूस करते समय किस तरह प्रतिक्रिया देनी है। यह अनुभव मेरे लिए इसलिए भी अलग था, क्योंकि मुझे बोलने के बजाय अपने शरीर की हर छोटी हरकत से यह दिखाना था कि मेरा किरदार देख नहीं सकता।'

एक्शन को लेकर तापसी ने कहा, ' 'मैं इससे पहले भी एक्शन फिल्मों में काम कर चुकी हैं, इसलिए मुझे इसकी तैयारी का अंदाजा है। एक्शन करते समय कलाकार को खुद को इस तरह तैयार रखना पड़ता है कि चोट लगने का खतरा कम हो। इसके लिए शरीर और दिमाग दोनों को तैयार रखना जरूरी होता है। लेकिन, 'गांधारी' का एक्शन मेरे पुराने काम से अलग है, क्योंकि इसमें एक मां की भावनाएं भी जुड़ी हुई हैं।'' उन्होंने कहा, ' 'मेरे किरदार का एक्शन किसी बदले की भावना से जुड़ा नहीं है। वह अपनी बेटी को बचाने के लिए लड़ रही है। इसलिए जब वह किसी से भिड़ती है तो उसके पीछे गुस्से से ज्यादा अपनी बच्ची को वापस पाने की बेचैनी है। अगर मेरे किरदार की बेटी तक पहुंचने के रास्ते में कोई भी आएगा, तो वह उसे नहीं छोड़ेगी।''

फिल्म के ट्रेलर की बात करें तो इसकी शुरुआत तापसी और उनकी बेटी मिष्टी के साथ होती है। दोनों के बीच मां-बेटी का बेहद प्यारा रिश्ता दिखाई देता है। एक सीन में तापसी आंखों पर पट्टी बांधकर बच्ची के साथ छुपन-छुपाई खेलती नजर आती हैं। इसके बाद कहानी अचानक बदल जाती है। ट्रेन से सफर के दौरान मिष्टी गायब हो जाती है और यहीं से एक मां की बच्ची को लेकर तलाश शुरू होती है। बेटी को काफी खोजने के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिलता, तो तापसी का किरदार खुद उसे ढूंढने निकलता है। कहानी में आगे दिखाया जाता है कि सिर्फ मिष्टी ही नहीं, बल्कि आसपास के इलाके से कई बच्चियां गायब हुई हैं। इसके बाद मामला और गंभीर हो जाता है। तापसी को छाया कदम का किरदार ट्रेनिंग देता है, और वह आंखों पर पट्टी बांधकर अपनी बेटी की तलाश के लिए निकल पड़ती है।

### ट्रेलर में महाभारत का संदर्भ भी

ट्रेलर में महाभारत की गांधारी का भी संदर्भ दिया गया है। इसमें कहा जाता है कि जिस तरह गांधारी ने अपने पति के लिए आंखों पर पट्टी बांधी थी, उसी तरह एक मां अपनी बेटी के लिए आंखों पर पट्टी बांधेगी। आगे जॉयपुरा की रहस्यमयी दुनिया दिखाई देती है, जहां बहरूपियों और गायब होती बच्चियों से जुड़ा एक डरावना सच सामने आता है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान जब कंगना रनौत के साथ चल रहे विवाद को लेकर सवाल पूछा गया, तो इस पर तापसी ने अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, ' 'मीडिया यह सवाल पूछना कब बंद करेगा? अगर सच में आप चाहते हैं कि हमारे बीच कोई विवाद न रहे तो ऐसे सवाल पूछना ही बंद कर देना चाहिए। शायद मीडिया को इस तरह के सवालों में काफी मजा आता है, तभी बार-बार यही बात पूछी जाती है।''

# नशामुक्ति : घर से शिक्षण संस्थानों तथा समाज से सरकार तक समन्वित प्रयासों की आवश्यकता

*प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश*

**नशे की समस्या आज किसी एक वर्ग, आयु, समाज या राज्य तक सीमित न रहकर एक गंभीर राष्ट्रीय संकट बन चुकी है। पारंपरिक मादक पदार्थों के साथ-साथ शराब, तंबाकू, दवाओं का गैर-चिकित्सकीय उपयोग और अन्य मन :प्रभावी पदार्थों का सेवन इस चुनौती को लगातार जटिल बना रहा है। बदलती जीवनशैली, मानसिक तनाव, एकाकीपन, साथियों का दबाव और नशीले पदार्थों की आसान उपलब्धता युवाओं को इस दलदल में धकेल रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अल्फा और जेन-जी पीढ़ी इस खतरे के सबसे संवेदनशील मुहाने पर खड़ी है, क्योंकि यह अवस्था उनके शारीरिक, मानसिक और व्यक्तित्व विकास की बुनियादी नींव होती है।**

चिकित्सकीय दृष्टिकोण से देखें तो भांग, गांजा, अफीम, शराब और तंबाकू के साथ-साथ बिना डॉक्टरी सलाह के दवाओं का अत्यधिक सेवन जानलेवा साबित हो रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार नशे की लत किसी व्यक्ति की इच्छाशक्ति या चरित्र की कमजोरी नहीं है, बल्कि यह जैविक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारणों का परिणाम है। इसलिए इसके समाधान के लिए भय, दंड या सामाजिक बहिष्कार के स्थान पर वैज्ञानिक रोकथाम, चिकित्सीय उपचार, परामर्श और पुनर्वास पर बल दिया जाना चाहिए।

नशे का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित न रहकर पूरे पारिवारिक और सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर देता है। दीर्घकालिक सेवन से स्मरण शक्ति, निर्णय क्षमता और उत्पादकता प्रभावित होती है। किशोरावस्था में मस्तिष्क के विकास की प्रक्रिया जारी रहने के कारण यह जोखिम और भी गंभीर रूप ले लेता है। इससे जहाँ परिवार को आर्थिक संकट और

घरेलू कलह झेलनी पड़ती है, वहीं समाज में दुर्घटनाओं, हिंसा और अपराधों में वृद्धि होती है। यही कारण है कि नशामुक्ति को व्यक्तिगत सुधार तक सीमित न मानकर सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण का राष्ट्रीय मुद्दा माना जाना चाहिए।

इस समस्या की शुरूआती पहचान रोकथाम में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। पढ़ाई या कार्यस्थल के प्रदर्शन में अचानक गिरावट, अकारण धन की मांग, अत्यधिक गोपनीयता, अनिद्रा, चिड़चिड़ापन, आँखों का लाल होना, तुतलाहट, चाल में असंतुलन और शरीर पर सिरिंज के निशान इसके प्राथमिक लक्षण हो सकते हैं। हालाँकि ये लक्षण तनाव या अन्य चिकित्सीय कारणों से भी हो सकते हैं, इसलिए संदेह होने पर आरोप-प्रत्यारोप या बदनामी के बजाय शांत संवाद और चिकित्सीय सलाह को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

नशामुक्ति की प्रथम नींव परिवार में ही रखी जाती है। अभिभावकों का दायित्व बच्चों पर अनुचित अपेक्षाओं का बोझ डालना नहीं, बल्कि ऐसा विश्वासपूर्ण माहौल बनाना है जहाँ वे अपना तनाव और भय साझा कर सकें। इसके साथ ही शिक्षण संस्थानों को एक-दिवसीय अभियानों से आगे बढ़कर जीवन-कौशल शिक्षा, तनाव प्रबंधन और खेलकूद को नियमित पाठ्यचर्या का हिस्सा बनाना होगा। समाज को भी नशे को 'आधुनिकता' का प्रतीक मानने की मानसिकता से बाहर निकलना होगा।

सरकारी स्तर पर केवल प्रतिबंध लगाने तक सीमित न रहकर अवैध आपूर्ति पर कठोर नियंत्रण, नशामुक्ति केंद्रों का विस्तार और व्यापक जन-जागरूकता सुनिश्चित करना अनिवार्य है। भारत सरकार का 'नशा मुक्त भारत अभियान' इसी दिशा में युवाओं और शिक्षण संस्थानों को जोड़ रहा है। नीतिगत ढांचे में कानून का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई के साथ-साथ नशा-निर्भर व्यक्ति को 'अपराधी' मानने के बजाय 'रोगी' मानकर उपचार का अवसर दिया जाना चाहिए।

अंततः नशामुक्ति केवल पदार्थ का सेवन बंद करना नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों से बाहर निकलना है जो व्यक्ति को पुनः नशे की ओर धकेलती हैं। कानून आपूर्ति रोक सकता है और चिकित्सा शरीर को उबार सकती है, लेकिन नशे से दूर रहने की स्थायी प्रेरणा केवल परिवार और समाज द्वारा निर्मित स्वस्थ वातावरण से ही प्राप्त हो सकती है। यही समन्वित प्रयास देश को अधिक स्वस्थ, सुरक्षित और उत्पादक बना सकता है।

**खास खबर**

## शराब के लिए नहीं दिए पैसे तो चाकू-डंडे से पीटा, घर में घुसकर की तोड़फोड़, दो आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

थाना लालबाग पुलिस ने पेंड्री बस्ती में शराब के लिए पैसे नहीं देने पर मारपीट कर लूटपाट करने और घर में घुसकर तोड़फोड़ करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में से एक आदतन हिस्ट्रीशीटर अपराधी है। वारदात में शामिल एक अन्य आरोपी फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त स्टील का चाकू और डंडा भी बरामद किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थी ने 25 अगस्त को लालबाग थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि वह शाम करीब 5 बजे पेंड्री बस्ती में पवन आटा चक्की के पास से गुजर रहा था, तभी आरोपियों ने उसे रोक लिया और शराब पीने के लिए पैसों की मांग की। प्रार्थी के मना करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी। इतने से ही उनका मन नहीं भरा, तो आरोपियों ने प्रार्थी पर चाकू और डंडे से हमला कर दिया। मारपीट के बाद आरोपियों ने उसकी जेब से जबरन 250 रुपए छीन लिए और उसका मोबाइल फोन भी तोड़ दिया। घटना के बाद आरोपी प्रार्थी के घर में भी घुस गए और वहां रखे होम थिएटर समेत अन्य सामानों की तोड़फोड़ की।

प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना लालबाग पुलिस ने अपराध क्रमांक 362/2026 के तहत धारा 296, 115(2), 351(3), 118(1), 311, 324(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन व एएसपी कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में धारा 333 बीएनएस भी जोड़ दी। पुलिस टीम ने मुख्य आरोपी पिंकू उर्फ फटीक लहरे (26) और हिरेंद्र लहरे (27) दोनों निवासी पेंड्री बस्ती को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पिंकू के पास से चाकू और हिरेंद्र के पास से डंडा जब्त किया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को 26 अगस्त को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस फरार तीसरे आरोपी सोमू लहरे की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

### शराब तस्करी में नाबालिग का इस्तेमाल करने वाला पिता गिरफ्तार, 35 पौवा देसी मवेशी शराब जब्त

**डोंगरगांव।** पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर व एसडीओपी श्रीमती मंजुलता बाज के मार्गदर्शन में जिले भर में अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने चलाए जा रहे अभियान के तहत डोंगरगांव पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने नाबालिग के जरिए अवैध शराब का परिवहन कराने वाले आरोपी पिता को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार, 25 अगस्त को गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने ग्राम सुखरी के पास मेन रोड पर काले रंग की बजाज डिस्कवर मोटरसाइकिल (CG 08 NB 2874) को रोककर जांच की। बाइक चला रहा चालक नाबालिग निकला। वाहन की टंकी के पास रखी प्लास्टिक बोरी की तलाशी लेने पर 35 पौवा देसी प्लेन शराब (कुल 6.300 बल्क लीटर, कीमत 2,800 रुपए) बरामद हुई। पुलिस ने शराब और 10 हजार रुपए कीमत की मोटरसाइकिल सहित कुल 12,800 रुपए का मशरूका जब्त किया। नाबालिग से पूछताछ में सनसनीखेज खुलासा हुआ। उसने बताया कि उसके पिता विष्णु बेलदार (50 वर्ष, निवासी ग्राम आरी) ने उसे 3 हजार रुपए और मोटरसाइकिल देकर ग्राम अजुनी स्थित शराब भट्ठी से शराब खरीदकर लाने भेजा था। आरोपी पिता द्वारा बेटे की उम्र जानते हुए भी उससे अवैध शराब का परिवहन कराया जा रहा था। पुलिस ने मामले में आरोपी विष्णु बेलदार के खिलाफ धारा 78 जेजे एक्ट (बाल न्याय अधिनियम) तथा धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया। वहीं नाबालिग को विधिवत उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

# पार्षद वशिष्ठ नारायण मिश्रा को दी अंतिम विदाई, जनसेवा के लिए किए जाएंगे याद

## पूर्व सीएम भूपेश बघेल, सांसद विजय बघेल, विधायक देवेंद्र यादव, रिकेश सेन, इंद्रजीत सिंह सहित शहर के गणमान्य नागरिकों ने दी श्रद्धांजलि

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

भिलाई नगर निगम के वरिष्ठ पार्षद और प्रखर जनप्रतिनिधि स्व. वशिष्ठ नारायण मिश्रा को गुरुवार को शहरवासियों ने नम आंखों से अंतिम विदाई दी। 26 अगस्त को 56 वर्ष की उम्र में उनके निधन के बाद आज सेक्टर-2 स्थित उनके निवास से अंतिम यात्रा निकली, जो दोपहर 12 बजे रामनगर मुक्तिधाम पहुंची। यहां उनके बड़े भाई ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम यात्रा में राजनीतिक, सामाजिक और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

स्व. वशिष्ठ नारायण मिश्रा के निधन से भिलाई के राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर है। वे लगातार पांच बार निर्दलीय पार्षद चुने गए और लंबे समय तक आम जनता की आवाज को नगर निगम सदन तक पहुंचाते रहे। राजनीतिक दल से अलग रहकर जनता के मुद्दों को प्राथमिकता देना उनकी पहचान रही। बीएसपी से जुड़े विषय हों या नगर निगम की समस्याएं, वे हर मुद्दे को बेबाकी से उठाने के लिए जाने जाते थे।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रामनगर मुक्तिधाम पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि वशिष्ठ नारायण मिश्रा भिलाई के लोगों के लिए संघर्ष करते और उनके हक की लड़ाई लड़ते थे। उनका निधन अपूरणीय क्षति है। वे संघर्षशील, बेबाक और सच बोलने का साहस रखने वाले जनप्रतिनिधि थे। भिलाई के लिए उन्होंने जीवनभर संघर्ष किया और कभी हार नहीं मानी।

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने उन्हें संघर्ष की पराकाष्ठा बताते हुए कहा कि युवा नेताओं के लिए वशिष्ठ नारायण मिश्रा प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने बताया कि जब वे पहली बार महापौर बने थे, तब मिश्रा ने उन्हें नगर निगम की कार्यप्रणाली और चुनौतियों को लेकर महत्वपूर्ण सलाह दी थी। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी उन्होंने मिश्रा से चर्चा की थी और उनका मार्गदर्शन

प्राप्त किया था।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि वशिष्ठ नारायण मिश्रा कर्मठ और संघर्षशील पार्षद थे। उनके पास ज्ञान का भंडार था। वे जिस विषय को सदन या प्रशासन के सामने रखते थे, उसे गंभीरता से सुनना और समझना पड़ता था। वे ज्ञान और अनुभव से समृद्ध जनप्रतिनिधि थे।

पूर्व विधायक अरुण वोरा ने उन्हें दमदार और बेबाक पार्षद बताते हुए कहा कि वे युवा कांग्रेस के पुराने साथी रहे और कांग्रेस के प्रति समर्थन रखते हुए भी निर्दलीय चुनाव लड़ते थे। वर्ष 1998 के चुनाव का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय मदद मांगने पर मिश्रा ने अपना पूरा समर्थन देने की बात कही थी।

युवा भाजपा नेता मनीष पांडे ने कहा कि वशिष्ठ नारायण मिश्रा 24 घंटे जनता के लिए उपलब्ध रहने वाले जनप्रतिनिधि थे। बीएसपी और नगर निगम से जुड़े जनहित के मुद्दों को उन्होंने हमेशा मजबूती से उठाया। उन्होंने कहा कि उनके निधन से शहर ने एक अच्छा जनप्रतिनिधि खो दिया है।

सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं युवा ट्रांसपोर्टर इंद्रजीत सिंह (छोटू) ने कहा कि वशिष्ठ नारायण मिश्रा हर जरूरतमंद की मदद के लिए तत्पर रहते थे। उनका व्यवहार हमेशा बड़े भाई जैसा रहा और उनसे निरंतर मार्गदर्शन मिलता रहा। वे उनके लिए परिवार के सदस्य की तरह थे।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने स्व. मिश्रा को अपना राजनीतिक गुरु बताते हुए कहा कि वर्ष 2000 में पार्षद बनने के दौरान उनसे मुलाकात हुई थी। उस समय दोनों के पास अपनी गाड़ी नहीं थी और निगम से मिलने वाले मानदेय से लूना, फिर बाइक की किश्तें चुकाते थे। उन्होंने कहा कि वशिष्ठ नारायण मिश्रा पांच बार पार्षद रहे और वे भी पांच बार पार्षद रह चुके हैं। उनके बीच लंबे समय से आत्मीय संबंध रहे। मिश्रा ने उनके जनहित के कार्यों की भी हमेशा सराहना की।

## हॉकी खिलाड़ी भूमिका उपाध्याय को मिलेगा शहीद पंकज विक्रम सम्मान

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

हॉकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए भूमिका उपाध्याय को छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2023-24 के ह्यशहीद पंकज विक्रम सम्मानह्व से अलंकृत किया जाएगा। शासन की ओर से जारी सम्मान पत्र में भूमिका उपाध्याय को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई हैं।

राज्य खेल अलंकरण समारोह का आयोजन 29 अगस्त 2026 को शाम 4 बजे रायपुर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, जी.ई. रोड में किया जाएगा। समारोह में मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में चयनित खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल से जुड़े प्रतिभावान लोगों को विभिन्न राज्य खेल अलंकरणों से सम्मानित किया जाएगा। इस वर्ष 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के लिए कुल 82 खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों का चयन किया गया है।

सम्मान समारोह में भूमिका उपाध्याय को ब्लेजर, टाई एवं पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। सम्मानित होने वाले खिलाड़ियों को निर्धारित समय से पहले समारोह स्थल पर पहुंचकर अपना स्थान ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। भूमिका उपाध्याय को हॉकी में मिली इस उपलब्धि से खेल जगत और उनके शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है।

### दृष्टिबाधित छात्राओं ने छात्रों को बांधी राखी

**भिलाई।** नयन दीप विद्या मंदिर, रोटी बैरिटेबल ट्रस्ट भिलाई द्वारा संचालित विद्यालय में रक्षाबंधन का पर्व विशेष उत्साह और भावनात्मक वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर दृष्टिबाधित छात्राओं ने दृष्टिबाधित छात्रों की कलाई पर राखी बांधी और उन्हें मिठाई खिलाकर भाई-बहन के स्नेह एवं आत्मीयता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधते हुए उनके सुख, समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं छात्रों ने भी अपनी बहनों के प्रति स्नेह व्यक्त करते हुए उनके सम्मान और सुरक्षा का संकल्प लिया। रक्षाबंधन के इस आयोजन ने विद्यालय परिसर में प्रेम, भाईचारे और आपसी सहयोग की भावना को और मजबूत किया। दृष्टिबाधित बच्चों द्वारा पूरे उत्साह के साथ पर्व मनाए जाने से कार्यक्रम भावुक और यादगार बन गया।

# नपा परिषद अमलेश्वर अंतर्गत 3 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण के लिए भूमि आबंटित

## ग्राम अमलेश्वर, भोथली और खुड़मुड़ा में बनेगा एसटीपी, प्लांट निर्माण से क्षेत्रवासियों को मिलेगा स्वच्छ पर्यावरण

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी निर्देशों तथा राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 4-1 की कंडिका 26 में निहित प्रावधानों के तहत नगर पालिका परिषद अमलेश्वर में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के निर्माण हेतु शासकीय भूमि के आबंटन की स्वीकृति प्रदान की है। जारी आदेश के अनुसार, तहसील पाटन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तीन विभिन्न ग्रामों में स्थित कुल 1.050 हेक्टेयर शासकीय भूमि एक रुपए प्रति वर्गफीट की दर से निर्धारित मूल्य राज्य कोष में जमा कराए जाने के उपरांत बिना भू-भाटक के नगर पालिका परिषद अमलेश्वर को हस्तांतरित की गई है।

आबंटित भूमि के विवरण के अनुसार, ग्राम अमलेश्वर (पटवारी हल्का नंबर 03) स्थित खसरा नंबर 671/2 का 0.050 हेक्टेयर (5,380 वर्गफीट) भाग निर्धारित मूल्य 5,380 रुपए, ग्राम भोथली (पटवारी हल्का नंबर 03) स्थित खसरा नंबर 137/1 का 0.800 हेक्टेयर (86,111 वर्गफीट) भाग निर्धारित मूल्य 86,111 रुपए, तथा ग्राम खुड़मुड़ा (पटवारी हल्का नंबर 03) स्थित खसरा नंबर 530 का 0.200 हेक्टेयर (21,520 वर्गफीट) भाग निर्धारित मूल्य 21,520 रुपए जमा कराए जाने पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण प्रयोजनार्थ स्वीकृत किया गया है। उक्त भूमि

का आबंटन कड़े प्रशासनिक प्रतिबंधों एवं शर्तों के अधीन किया गया है।

जारी आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि आवंटित भूमि का उपयोग केवल सार्वजनिक जनउपयोगी कार्य एवं निर्धारित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण हेतु ही किया जाएगा, और अन्य किसी प्रयोजन में उपयोग किए जाने अथवा शर्त का उल्लंघन होने की स्थिति में आबंटन स्वतः निरस्त माना जाएगा। इसके अतिरिक्त, आबंटित भूमि के विक्रय अथवा व्यावसायिक हस्तांतरण पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा तथा नगर पालिका परिषद एवं नगर तथा ग्राम निवेश विभाग, दुर्ग द्वारा निर्धारित समस्त वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन अनिवार्य होगा। प्रशासन ने यह भी निर्देशित किया है कि भूमि के उपयोग के दौरान लोक बाधा उत्पन्न न हो तथा जनस्वास्थ्य, सुरक्षा, जनसुविधा एवं पर्यावरण संरक्षण का विशेष ध्यान रखा जाए। नगर पालिका परिषद् अमलेश्वर के मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि उक्त तीनों एसटीपी निर्माण हेतु शासन द्वारा 7 करोड़ 48 लाख 36 हजार रुपए की राशि स्वीकृत हो चुकी है।

निर्माण कार्य की निविदा प्रक्रियाधीन है। इन क्षेत्रों में एसटीपी के निर्माण से घरेलू गंदे जल का वैज्ञानिक पद्धति से निस्तारण संभव हो सकेगा, जिससे आस-पास के जल स्रोतों और भूजल को दूषित होने से बचाया जा सकेगा। इससे क्षेत्र में जल जनित बीमारियों और दूषित जल के ठहराव की समस्या से निजात मिलेगी तथा जनस्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, शोधित (ट्रीटेड) जल का उपयोग सिंचाई व अन्य गैर-पेय कार्यों में किया जा सकेगा, जिससे अमलेश्वर नगर पालिका क्षेत्र के सुनियोजित विकास और स्वच्छता व्यवस्था को एक नई गति मिलेगी।

# बिहान की दीदियों ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को राखी बांधकर दी बधाई

*नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम-रायपुर*

कबीरधाम जिले के बिहान स्व-सहायता समूहों से जुड़ी दीदियों और पशुपालकों का गुजरात के बनासकाठा स्थित डेयरी कोऑपरेटिव एवं अमूल डेयरी कोऑपरेटिव का शैक्षणिक भ्रमण उपयोगी और प्रेरणादायी रहा। भ्रमण से वापस लौटने के बाद बिहान समूह की दीदियों ने कवर्धा निवास पहुंचकर उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान दीदियों ने उन्हें रक्षाबंधन की बधाई देते हुए राखी बांधी और गुजरात में मिले अनुभवों तथा सीखी गई नई तकनीकों की जानकारी साझा की।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने सभी दीदियों और पशुपालकों का आत्मीय स्वागत करते हुए उनके अनुभव सुने। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब वहां से मिली सीख को अपने गांव और जिले में अपनाकर आजीविका के नए अवसर तैयार किए जाएं। उन्होंने दीदियों

से बनासकाठा में देखी गई उन्नत डेयरी व्यवस्था, पशुपालन तकनीक, चारा प्रबंधन, दुग्ध संकलन, गुणवत्ता नियंत्रण और सहकारी मॉडल से मिली सीख को स्थानीय स्तर पर लागू करने का आह्वान किया।

**बनासकाठा में देखा सफल डेयरी और सहकारी मॉडल :** उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री शर्मा के विशेष प्रयासों से कबीरधाम जिले के 17 बिहान समूहों की दीदियों और 17 पशुपालकों को गुजरात के बनासकाठा के शैक्षणिक भ्रमण पर भेजा गया था। दल ने वहां डेयरी कोऑपरेटिव और अमूल डेयरी कोऑपरेटिव की कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने उन्नत पशुपालन तकनीक, संतुलित आहार एवं चारा विकास, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उपाय, दुग्ध संकलन एवं प्रसंस्करण की आधुनिक व्यवस्था, दूध की गुणवत्ता जांच, डेयरी उत्पाद निर्माण और उनके विपणन की पूरी प्रक्रिया को करीब से समझा। इसके साथ ही सहकारी मॉडल के माध्यम से छोटे पशुपालकों को संगठित कर उनकी आय और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की व्यवस्था की भी जानकारी प्राप्त की।

**सीख को कबीरधाम में लागू करने का संकल्प :** गुजरात से लौटीं दीदियों ने बताया कि वहां पशुपालन और डेयरी गतिविधियों को केवल व्यक्तिगत आय का साधन नहीं, बल्कि सामूहिक आर्थिक विकास के मॉडल के रूप में विकसित किया गया है। दुग्ध उत्पादकों को बाजार से जोड़ने, गुणवत्ता बनाए रखने और दूध के बेहतर मूल्य प्राप्त करने की व्यवस्थाओं ने उन्हें विशेष रूप से प्रभावित किया। दीदियों ने कहा कि बनासकाठा में मिली सीख से उन्हें अपने गांवों में पशुपालन और डेयरी गतिविधियों को और बेहतर ढंग से संचालित करने की प्रेरणा मिली है। वे वहां सीखी गई उपयोगी तकनीकों और प्रबंधन पद्धतियों को अन्य ग्रामीण महिलाओं तथा पशुपालकों के साथ साझा कर सामूहिक रूप से आजीविका के नए अवसर विकसित करने का प्रयास करेंगी।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि कबीरधाम की दीदियों और पशुपालकों का बनासकाठा भ्रमण केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि सीख को स्थानीय स्तर पर आजीविका के अवसरों में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गुजरात के सफल डेयरी मॉडल से प्राप्त अनुभव आने वाले समय में कबीरधाम में दुग्ध उत्पादन, महिला स्व-सहायता समूहों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और मजबूत करने में उपयोगी साबित होंगे।

## सामुदायिक सहयोग से स्वास्थ्य और जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा एकीकृत बाल विकास परियोजना धमधा के अंतर्गत ग्राम पंचायत करेली में रोटरी क्लब दुर्ग के सहयोग से स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र के कुपोषित बच्चों एवं महिलाओं को स्वास्थ्य और पोषण संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा ग्राम को कुपोषण मुक्त बनाना रहा।

शिविर में 71 महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं का शुगर, बीपी एवं हीमोग्लोबिन परीक्षण किया गया। चिकित्सकों ने कुपोषित बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर उनके पालकों की काउंसलिंग की। 9 गंभीर कुपोषित बच्चों को दवाइयां वितरित की गईं, जबकि रोटरी क्लब द्वारा 44 कुपोषित बच्चों को सुपोषण किट प्रदान की गई।

कार्यक्रम में महिलाओं एवं किशोरियों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, ओटीपी व व्यक्तिगत जानकारी साझा नहीं करने तथा सुरक्षित डिजिटल माध्यमों के उपयोग की जानकारी दी गई। साथ ही महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, एनीमिया से बचाव, मासिक धर्म स्वच्छता, बाल विवाह एवं मिशन शक्ति की योजनाओं की जानकारी दी गई तथा किशोरियों को सेनेटरी पैड वितरित किए गए। परियोजना अधिकारी कौशलेश देवांगन एवं सुपरवाइजर रीमा शुक्ला ने कुपोषण के चक्र को तोड़ने के लिए सामुदायिक सहयोग की आवश्यकता बताई। शिविर में जनप्रतिनिधि, रोटरी क्लब की टीम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, महिलाएं एवं किशोरियां उपस्थित रहीं।

# संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर ने अपराधी को केन्द्रीय जेल दुर्ग में निरूद्ध करने दिये आदेश

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

दुर्ग संभाग के आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के प्रतिवेदन पर स्वापक, औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ, अवैध व्यापार, निवारण अधिनियम-1988 की धारा-3 सहपठित धारा-11 के तहत न्यायालयीन आदेश पारित कर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त बनवाली अग्रवाल पिता स्व. लाला राम अग्रवाल निवासी हथखोज पारा उतई थाना उतई तहसील व जिला दुर्ग को तीन माह की अवधि के लिए केन्द्रीय जेल दुर्ग में निरूद्ध करने हेतु आदेशित किया है।

आदेश पारित करने के पूर्व संभाग आयुक्त द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत जवाब एवं आवेदक के पक्ष एवं शपथ पूर्वक कथन का अध्ययन तथा प्रकरण में प्रस्तुत इस्तगासा मय दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। तथ्य के अनुसार बनवाली अग्रवाल पिता लाला राम अग्रवाल के विरूद्ध वर्ष 2015, 2018, 2023 एवं 2025 में लगातार नारकोटिक्स एक्ट के कुल 04 मामले दर्ज कर कार्यवाही की गई है। जिसमें अपराध क्रमांक 173/2025 में विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट दुर्ग द्वारा 13 सितम्बर 2017 को निर्णय पारित कर अनावेदक को 03 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 5 हजार रूपए के अर्थदण्ड से दंडित किया गया है।

इसी तरह अपराध क्रमांक 108/2018 में विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस के द्वारा दोषमुक्त किये जाने का आदेश पारित होना अनावेदक द्वारा बताया गया है तथा अपराध क्रमांक 282/2023 में विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस के द्वारा अपराध साबित नही होने पर अनावेदक को दोषमुक्त किया गया है जबकि 298/2025 में विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस दुर्ग द्वारा 10 अक्टूबर 2025 को निर्णय पारित कर 02 अगस्त 2025 से 10 अक्टूबर 2025 तक न्यायिक अभिरक्षा में बितायी गई अवधि के लिए सश्रम कारावास एवं 15 हजार रुपए के अर्थदंडित किया गया है। अनावेदक जेल से छूट जाने के पश्चात् लगातार मादक पदार्थ की खरीदी, बिक्री में संलिप्त रहा है तथा उसकी प्रवृत्ति में सुधार प्रतीत नहीं होता है। वर्तमान में भी अनावेदक के विरूद्ध शराब व गांजा सहित अन्य मादक पदार्थ भी बेचने की शिकायत भी लगातार मिलती रही है।

अनावेदक का जमानत पर न्यायालय से छूट जाने से उसका मनोबल बढ़ता जा रहा है। अनावेदक के आपराधिक गतिविधियों से समाज में रहने से विपरीत प्रभाव पढ़ने के संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता, ऐसी स्थिति में प्रकरण में आये प्रतिवेदन, जवाब, साक्षियों के बयान एवं तर्क के आधार पर बनवाली अग्रवाल को केन्द्रीय जेल दुर्ग में निरूद्ध किया जाना आवश्यक है।

ज्ञात हो कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के प्रतिवेदन के अनुसार अनावेदक बनवाली अग्रवाल स्वापक एवं मनःप्रभावी पदार्थों के अवैध संग्रहण विक्रय करने आदतन आपराधी एवं तस्कर है। अनावेदक स्वयं तथा अपने अन्य साथियों के माध्यम से मादक पदार्थों की लुक-छिप कर खरीदी एवं बिक्री करता है। अनावेदक एवं उनके साथीदारान सदस्यों का आम जनता में इतना भय व आंतक है कि उनके विरूद्ध कोई भी व्यक्ति गवाह बनने या सूचना देने को तैयार नहीं है। अनावेदक द्वारा नाबालिंग एवं युवा वर्ग को मादक पदार्थ विक्रय करने से समाज में नाबालिंग, युवा वर्ग एवं मजदूर वर्ग के लोग नशे की गिरफ्त में है। उनका यह कृत्य स्वस्थ्य एवं सभ्य समाज के लिए हानिकारक है। संभाग आयुक्त श्री राठौर ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए 24 अगस्त 2026 को न्यायालयीन आदेश पारित कर आपराधिक प्रवृत्ति में संलिप्त बनवाली अग्रवाल को केन्द्रीय जेल दुर्ग में निरूद्ध किये जाने की तिथि से 03 माह तक की अवधि के लिए निरूद्ध करने आदेशित किया है।

## शराब के लिए 10 रुपए मांगे, फिर मोबाइल और नगदी लूटी, खुसीपार्र पुलिस ने आरोपी को दबोचा



**दुर्ग।** डबरा पारा चौक ओवरब्रिज के नीचे शराब के लिए पैसे मांगने के बहाने मोबाइल और नगदी लूटने वाले आरोपी को खुसीपार्र पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से 16,070 रुपए की सामग्री बरामद की गई है। प्रार्थी दिनेश पासवान ने 26 अगस्त को रिपोर्ट दर्ज कराई कि 25 अगस्त की रात करीब 7:30 बजे डबरा पारा चौक ओवरब्रिज के नीचे एक युवक ने शराब के लिए 10 रुपए कम होने की बात कहकर पैसे मांगे। 10 रुपए देने के बाद आरोपी ने जान से मारने की धमकी देकर उसकी जेब में रखी नगदी और ओप्पो कंपनी का मोबाइल लूट लिया और फरार हो गया।

रिपोर्ट पर थाना खुसीपार्र में अपराध क्रमांक 364/2026 धारा 309(4), 119(1) इठर के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास पूछताछ कर संदेही नागेश नागरची (22) निवासी शिवाजी नगर, खुसीपार्र को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने लूट की वारदात कबूल कर ली। आरोपी के कब्जे से लूटी गई 1,070 रुपए नगद और 15 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन बरामद किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

# 3 से 4 हजार शिक्षकों को दुर्ग पुलिस ने पढ़ाया साइबर सुरक्षा का पाठ

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

सिटी कोतवाली दुर्ग पुलिस ने साइबर जागृति अभियान के तहत शिक्षक संगठनों के कार्यक्रम में पहुंचकर 3 से 4 हजार शिक्षक-शिक्षिकाओं को साइबर अपराधों से बचाव के गुर सिखाए।

27 अगस्त को विभिन्न शिक्षक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में टीईटी परीक्षा, वेतन विसंगति, क्रमोन्नति और पदोन्नति सहित विभिन्न मांगों पर शासन से मिले आश्वासन के बाद आंदोलन स्थगित करने को लेकर चर्चा हुई। इसी मंच पर दुर्ग पुलिस ने साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

पुलिस ने शिक्षकों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, फर्जी लिंक, ओटीपी मांगने और बैंकिंग जानकारी हासिल करने जैसे नए तरीकों के बारे में सरल भाषा में बताया। शिक्षकों से अपील की गई कि वे ओटीपी, पासवर्ड, बैंक डिटेल किसी अनजान व्यक्ति से साझा न करें और यह जानकारी विद्यार्थियों, परिजनों और गांव के लोगों तक पहुंचाएं। कार्यक्रम के दौरान महिला शिक्षकों ने सर्किट हाउस दुर्ग पहुंचकर शिक्षा मंत्री को तिलक लगाकर मिठाई खिलाई और राखी बांधी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ दोपहर 3:30 बजे शांतिपूर्ण तरीके से हुआ।

# नौकरी लगाने के नाम पर 14 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

पुलिस विभाग में चालक और आरक्षक की नौकरी लगाने के नाम पर 14 लाख रुपए से अधिक की ठगी करने वाले आरोपी को स्मृतिनगर पुलिस ने रायपुर से गिरफ्तार किया है। प्राथीर्या खोमिन ध्रुवे निवासी आर्यनगर कोहका भिलाई ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वर्ष 2024 में तोपचंद धनकर ने उसके पति अश्वनी कुमार ध्रुवे को चालक और उसके भाई रितेश ठाकुर को आरक्षक पद पर नौकरी लगाने का झांसा देकर कुल 14,00,001 रुपए ले लिए।

रिपोर्ट पर चौकी स्मृतिनगर थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 1255/2026 धारा 318(4) इठर के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच में पता चला कि आरोपी के खिलाफ थाना नेवई में पहले से धोखाधड़ी का मामला दर्ज है और दो स्थाई वारंट जारी होने से वह फरार चल रहा था।

स्मृतिनगर पुलिस ने पतासाजी कर आरोपी तोपचंद धनकर (32) निवासी ग्राम नंदवाय थाना धमधा हाल उरला रायपुर को साहिल किराना स्टोर्स के पास से अभिरक्षा में लिया। आरोपी ने अपराध कबूल किया। उसके पास से घटना में



प्रयुक्त मोबाइल और दस्तावेज जब्त किए गए। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया गया।

## 2 किलो गांजा के साथ युवक गिरफ्तार, खुर्सीपार पुलिस की कार्रवाई

अवैध गांजा बिक्री पर कार्रवाई करते हुए खुसीपार्र पुलिस ने 19 वर्षीय आरोपी को 2 किलो 30 ग्राम गांजा और बिक्री रकम के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद माल की कुल कीमत 1 लाख 1 हजार रुपए आंकी गई है। 27 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली थी कि देवार बस्ती मछली मार्केट क्षेत्र में मिनी स्टेडियम सुलभ के पास एक युवक गांजा बेच रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी की। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगा, जिसे दौड़ाकर पकड़ा गया।

तलाशी में आरोपी निकेत उर्फ गबरू (19) निवासी देवार बस्ती मछली मार्केट के कब्जे से 2 किलो 30 ग्राम गांजा और बिक्री के 1000 रुपए नगद बरामद हुए। पूछताछ में सामने आया कि वह अवैध रूप से गांजा बेचकर आर्थिक लाभ कमा रहा था।

थाना खुसीपार्र में अपराध क्रमांक 365/2026 धारा 20(b)(ii)(B) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

# संस्कार शिक्षा फाउंडेशन को भारत सेवा पुरस्कार 2026 से सम्मान

*नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली-दुर्ग*

संस्कार शिक्षा फाउंडेशन के फाउंडर एवं डायरेक्टर धीरेंद्र कुमार शर्मा को समाजसेवा और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए राष्ट्रीय अवार्ड 'भारत सेवा पुरस्कार 2026' से सम्मानित किया गया है।

नई दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में जीवरण फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक आशुतोष सिंह और फाउंडर एवं निदेशक ई. आकाश साहू ने धीरेंद्र कुमार शर्मा को स्मृति चिन्ह, मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। यह सम्मान संस्कार शिक्षा फाउंडेशन द्वारा शिक्षा, संस्कार और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के लिए दिया गया है। इस उपलब्धि से फाउंडेशन से जुड़े पदाधिकारियों, संस्कार शिक्षकों और कार्यकताओं में उत्साह और गौरव का माहौल है।

सम्मान मिलने पर धीरेंद्र कुमार शर्मा ने आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार फाउंडेशन से जुड़े प्रत्येक कार्यकर्ता और संस्कार शिक्षक के समर्पण को समर्पित है।

# ओखर गौधाम में पशुओं की मौत का मामला जांच रिपोर्ट कलेक्टर अग्रवाल को सौंपी गई

*नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर*

बिलासपुर जिले के मस्तूरी विकासखंड के ग्राम ओखर स्थित गौधाम में पशुओं की मृत्यु के मामले में पशु चिकित्सा विभाग ने अपनी जांच रिपोर्ट बिलासपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल को सौंप दी है। जांच प्रतिवेदन के अनुसार, गौधाम में पिछले तीन दिनों के दौरान कुल 6 पशुओं की मृत्यु हुई है, जिनमें से 4 की मौत वृद्धावस्था के कारण और 2 की मृत्यु अन्य कारणों से हुई है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर संजय अग्रवाल ने तत्काल वस्तुस्थिति की जांच के आदेश दिए थे। इसके बाद संयुक्त संचालक डॉ. गोपाल शरण सिंह के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने ओखर स्थित गौधाम का मैदानी निरीक्षण किया। टीम ने मृत पशुओं का पोस्टमार्टम किया और मौके का जायजा लेकर विस्तृत प्रतिवेदन तैयार किया।

जांच रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि हाल ही में हुई अत्यधिक बारिश के कारण गौधाम परिसर में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई थी। गौधाम में 21 अगस्त 2026 को पशुओं को विस्थापित किया गया था और वर्तमान में वहां ग्राम पंचायत ओखर के लगभग 300 पशु मौजूद हैं। पशुओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए, ग्राम पंचायत ओखर के सरपंच की सहमति से गौधाम के सभी 300 पशुओं को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने और उन्हें चराने के लिए बाहर ले जाने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा पशुओं के स्वास्थ्य पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100